RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 65 ● भिलाई, मंगलवार 09 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

लैंडस्लाइड से एनएच और भरमौर की सड़कें बंद, यातायात प्रभावित

हिमाचल । हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भूस्खलन ने एक बार फिर जनजीवन को प्रभावित किया है। बत्ती के हट्टी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से बंद हो गई है, जिससे यातायात ठप्प पड़ गया है। आम लोगों को इस वजह से काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मौके पर पहुंचे विधायक जनकराज ने स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को तुरंत सड़क खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और संबंधित विभाग दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, ताकि जल्द से जल्द राहत मिल सके। इसके अलावा, भरमौर क्षेत्र में भी कई जगहों पर भूस्खलन की वजह से सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। लोग अपनी सुरक्षा को खतरे में डालकर यात्रा करने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी और पत्थर गिर रहे हैं, जिससे सड़कें खतरनाक हो गई हैं। उनका कहना है कि यह स्थिति उनके दैनिक जीवन को मुश्किल बना रही है।

सोलन में भारी बारिश से सड़कें बहीं, पीडब्ल्यूडी को पांच करोड़ का नुकसान

सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन में हाल ही में हुई भारी बरसात ने सड़कों को बुरी तरह प्रभावित किया है। भारी बारिश से पीडब्ल्यूडी को पांच करोड़ का नुकसान हुआ है। सहायक अभियंता ने जनता से सहयोग की अपील की। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सहायक अभियंता सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि बरसात शुरू होने के बाद से अब तक विभाग को लगभग 5 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि लगातार पांच दिनों से जारी बारिश के चलते जगह-जगह सड़कें बंद हो रही हैं, कहीं पेड़ गिर रहे हैं तो कहीं रोड बह गई हैं। विभाग की मशीनरी और मैनपावर रात-दिन सड़कों को खोलने में जुटा है ताकि आम जनता को परेशानी न झेलनी पड़े।

प्रेम प्रसंग के शक में युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने प्रेम प्रसंग के शक में युवक को जान से मारने की धमकी दी थी, जिसके बाद युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में सालमगढ़ पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर इन आरोपियों को पकड़ा। मृतक युवक की मां तुलसीबाई मीणा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 29 अगस्त की रात जितेंद्र, नीलेश और उनके दो अन्य साथी उनके घर में घुस आए और उनके बेटे कालूराम को ढूंढने लगे।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन-सड़क पर युवाओं का बवाल

संसद भवन में घुसे लोग-पुलिस ने की फायरिंग, 14 की मौत

काठमांडू/ एजेंसी

नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। जेनेरेशन जेड ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई प्रदर्शनकारी संसद भवन में भी घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और बेकाबू हो गए और बैरिकेड कूदकर इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान सुरक्षा बलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठी चार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बौछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 14 लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं। द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है। न्यू बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एवरेस्ट अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, 'मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एवरेस्ट अस्पताल में हैं।'हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है। बताया गया कि सोमवार सुबह 9 बजे से प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्रित होने लगे। हाल के दिनों में 'नेपो किड' और 'नेपो बेबीज' जैसे हैशटैग ऑनलाइन ट्रेंड कर रहे हैं। सरकार की ओर से अपंजीकृत प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने के फैसले के बाद इसमें और तेजी आई है। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय के अनुसार, 'हामी नेपाल' ने इस रैली का आयोजन किया था। इसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। समूह के अध्यक्ष सुधन गुरुंग ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन सरकारी कार्रवाइयों और भ्रष्टाचार के विरोध में था। देश भर में इसी तरह के प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने छात्रों से भी अपनी यूनिफॉर्म पहनकर और किताबें लेकर प्रदर्शन में शामिल होने का आग्रह किया। सरकार के मुताबिक, नेपाल में सोशल मीडिया कंपनियों को पंजीकरण के लिए 28 अगस्त से सात दिन का समय दिया गया था।

फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध

स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए। नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, व्हाट्सएप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध उन्हें विनियमित करने के लिए लगाया गया है, लेकिन आम जनता में धारणा यह है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और सेंसरशिप की नौबत आ सकती है। द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

सुप्रीम ने किया साफ

आधार मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र...

नई दिल्ली। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि आधार, मतदाता सूची के लिए वैध पहचान पत्र है, लेकिन इसे नागरिकता का सबूत नहीं माना जा सकता। सोमवार को बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वे आधार कार्ड को 12वां दस्तावेज मानें ताकि मतदाता वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के लिए आधार कार्ड को भी पेश कर सकें। चुनाव आयोग पहले ही 11 दस्तावेजों की सूची जारी कर चुका है, जिन्हें दिखाकर मतदाता, वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कर सकते हैं। पहले इन दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल नहीं था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को बतौर 12वां दस्तावेज मानने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अपने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी करने को भी कहा है।

राज्यपाल रमेन डेका ने आज राजभवन में प्रख्यात गायक, संगीतज्ञ एवं कवि, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की शताब्दी जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

गिरिराज का कांग्रेस-तेजस्वी पर बड़ा हमला

बिहार और पीएम को कब तक गाली दोगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस और राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला करते हुए उन पर बिहार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान करने का आरोप लगाया। सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं कांग्रेस और तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूं कि आप बिहार का कितना अपमान करेंगे, कितनी गालियां देंगे? अपनी गालियों में आपने प्रधानमंत्री की मां के बारे में भी अपमानजनक शब्द कहे... अशोक स्तंभ सिर्फ अशोक स्तंभ नहीं है; यह भारत की भावना, भारत के संविधान की भावना और बाबासाहेब अंबेडकर की आत्मा का प्रतीक है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि आपने (राहुल गांधी) हाइड्रोजन बम की बात की थी, लेकिन आपने बीड़ी बम गिराया, इसका मतलब है कि आप बिहारियों की तुलना बीड़ी से करेंगे?...

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा मास्टरस्ट्रोक

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका का मानदेय बढ़ा-सीएम नीतीश कुमार

पटना/ एजेंसी

बिहार की नीतीश कुमार सरकार राज्य विधानसभा चुनाव के पहले सौगातों की झड़ी लगा रही है। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद आगे बढ़कर आंगनबाड़ी सेविका और आंगनबाड़ी सहायिका के मानदेय को बढ़ाने का एलान किया है। सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7 हजार से बढ़ाकर 9 हजार किया जा रहा है। इसी तरह, आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4 हजार से बढ़ाकर साढ़े 4 हजार किया जा रहा है। उनके निर्देश पर विभाग इसका प्रस्ताव आगे बढ़ाएगा। मंगलवार को कैबिनेट में उस प्रस्ताव पर मुहर लग जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। इसके लिए समेकित बाल विकास परियोजना के तहत छह तरह की सेवाएं दी जा रही हैं, जो आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभुकों तक पहुंचाई जाती हैं। इसमें आंगनबाड़ी सेविकाएं और सहायिकाएं अहम भूमिका निभाती हैं। राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 रूपये से उन्होंने बताया कि इनके योगदान को देखते हुए मानदेय राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

अक्षय कुमार ने जूहू बीच साफ कर लोगों को दी सीख, बोले सफाई सबकी ड्यूटी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार मुंबई के जुहू बीच पर देखा गया। यहां वे एक सफाई अभियान में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने समुद्र तट की सफाई की और लोगों को खास संदेश भी दिया। दरअसल, मुंबई के जुहू बीच पर गणपति विसर्जन के बाद कूड़ा-कचरा फैल जाता है। इसी कारण उसकी सफाई के लिए अभिनेता अक्षय कुमार भी पहुंचे। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा, ज्ञान सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी समय-समय पर इस पर जोर देते रहते हैं।

लूटकर भागने का युग खत्म

भगोड़ा मेहुल चोकसी को जल्द ही लाया जा सकता है भारत....

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि जिसने भी देश को लूटा है, उसे लौटाना ही होगा। यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं बल्कि भारत की नई कार्यशैली का प्रतीक बन चुका है। पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी का संभावित प्रत्यर्पण इसी दृष्टि से अहम है। देखा जाये तो देश की न्यायिक प्रक्रिया और कूटनीतिक सक्रियता से यह साफ हो गया है कि अब कोई भी आर्थिक अपराधी यह सोचकर विदेश भाग नहीं सकता कि वह हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। पहले ऐसे मामलों में वर्षों की देरी और कानूनी पेचीदगियाँ अपराधियों के पक्ष में चली जाती थीं, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। मोदी सरकार का जोर दो बिंदुओं पर है— अपराधियों को वापस लाना, चाहे इसके लिए अंतरराष्ट्रीय अदालतों का सामना क्यों न करना पड़े। साथ ही देश की हर पाई की वसूली, ताकि जनता का विश्वास बहाल रहे कि उनका धन सुरक्षित है और कोई भ्रष्टाचार से बच नहीं सकता। देखा जाये तो मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण से यह संदेश जाएगा कि भारत अपनी न्यायिक और कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल पूरी दृढ़ता से कर रहा है। यह केवल एक व्यक्ति को सज़ा दिलाने का मामला नहीं है, बल्कि यह विश्वास दिलाने का भी है कि न कोई कानून से ऊपर है। और न कोई इतना शक्तिशाली कि न्याय से बच सके। दरअसल, इस पूरे घटनाक्रम से प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा और मजबूत होता है कि आर्थिक अपराधियों को अब विदेशी धरती पर भी पनाह नहीं मिलेगी।

सांसद अपने क्षेत्र में स्वदेशी मेला लगवाएं

पीएम बोले व्यापारियों से जीएसटी में कटौती की चर्चा भी करें

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजग सांसदों से भारत में बने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी मेला आयोजित करने और जीएसटी दरों में कटौती पर व्यापारियों से मिलने को कहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधारों पर एक बैठक में एनडीए सांसदों से कहा कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में 20-30 व्यापारी सम्मेलन आयोजित करें ताकि व्यापारियों और दुकानदारों को जीएसटी के लाभों और सुधारों के बारे में शिक्षित किया जा सके। मोदी ने कहा कि नवरात्रि से दिवाली तक, भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने और लोगों को 'मेड इन इंडिया' उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु 'स्वदेशी मेलों' का आयोजन करें। प्रत्येक सांसद को अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक क्षेत्र में एक प्रदर्शनी आयोजित करनी चाहिए। थीम: गर्व से कहो ये स्वदेशी है – स्थानीय कारीगरों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों और स्वदेशी उत्पादों का प्रदर्शन करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैठक में एनडीए नेताओं से स्वदेशी और जीएसटी सुधारों पर ज़ोर देने का आग्रह किया। उन्होंने सांसदों से नवरात्रि से दिवाली तक स्वदेशी मेले आयोजित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। इससे पहले नरेन्द्र मोदी ने शिक्षकों एवं छात्रों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने और 'मेक इन इंडिया' एवं 'वोकल फॉर लोकल' पहल को तेज करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं के साथ संवाद में कहा कि स्कूलों को स्वदेशी दिवस या स्वदेशी सप्ताह जैसे कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं आपको स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाने का एक गृहकार्य दे सकता हूं। छात्रों को घर से स्वदेशी उत्पाद लेकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फिर उन पर चर्चा हो। छात्र स्वदेशी उत्पादों के समर्थन वाले पोस्टर लेकर गांवों में मार्च भी निकाल सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से एक माहौल बनेगा और लोग मेड इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल उत्पादों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने प्रत्येक घर और दुकान के बाहर स्वदेशी उत्पादों की मौजूदगी वाले पोस्टर लगाने के सुझाव भी दिए। मोदी ने कहा, हर घर और दुकान के बाहर 'हर घर स्वदेशी' के बोर्ड लगाए जाने चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुधारों की शृंखला थमने वाली नहीं है। उन्होंने जीएसटी ढांचे में किए गए व्यापक सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि जीएसटी 2.0 राष्ट्र के लिए समर्थन और वृद्धि की 'दोहरी खुराक' है और 21वीं सदी में भारत की प्रगति को ध्यान में रखकर अगली पीढ़ी के ये सुधार किए गए हैं। उनकी यह टिप्पणी माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में व्यापक पुनर्गठन किए जाने के एक दिन बाद आई है। जीएसटी परिषद ने बुधवार को अप्रत्यक्ष कर के सिर्फ दो स्लैब ही रखने और रोजमर्रा के उत्पादों को पांच प्रतिशत कर दायरे में रखने का फैसला किया।

पहला वोट डालेंगे प्रधानमंत्री मोदी, सीपी राधाकृष्णन और सुदर्शन रेड्डी में मुकाबला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने वाले पहले मतदाता होंगे। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी पंजाब और हरियाणा के सांसदों के साथ वोट डालेंगे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राम मोहन नायडू और शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए चुनाव एजेंट नियुक्त किया गया है। इस बीच, एनडीए के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले, 8 सितंबर को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन कर सकते हैं। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मंगलवार को अपने वोट के माध्यम से यह फैसला करेंगे कि सी. पी. राधाकृष्णन और बी. सुदर्शन रेड्डी में से देश का अगला उप राष्ट्रपति कौन होगा।

बेमेतरा में 40वां ऐतिहासिक शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

उप मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री ने किया शिक्षकों और प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

बेमेतरा। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे शिक्षक सम्मान समिति के तत्वावधान में जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में 40वां ऐतिहासिक शिक्षक सम्मान समारोह गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन जिलें में शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा देने वाला साबित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव उपस्थित रहे। समारोह के आयोजक बेमेतरा विधायक दीपेश साहू रहे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पत्रकार डॉ. विश्वेश्वर ठाकरे मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर परंपरा के अनुसार जिले के 150 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही 88 प्रतिभावान विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र देकर गौरवान्वित किया गया। विशेष रूप से वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को साल, श्रीफल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान शिक्षक दिवस पत्रिका का विमोचन भी किया गया। समारोह मे कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी भी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा होते हैं और शिक्षा ही वह शक्ति है जो किसी भी राष्ट्र को महान बनाती है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में गुरुकुल की परंपरा ने भारत को विश्व में अग्रणी बनाया था। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय इसका प्रमाण हैं, जहाँ से पूरी दुनिया ने ज्ञान अर्जित किया। अगर भारत को विश्वगुरु बनना है तो इसकी नींव हमारे शिक्षक

ही रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने वाली पीढ़ियों को आधुनिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भारतीय संस्कारों से जोड़कर एक सशक्त भारत का निर्माण करेगी। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र का निर्माता होता है। उसकी मेहनत से ही बच्चे संस्कारवान बनते हैं और राष्ट्र मजबूत होता है। साव ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य, किसी भी समाज की प्रगति के मूल आधार हैं। आने वाले समय में बेमेतरा जिला इन दोनों क्षेत्रों में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश में पहचान बनाएगा। इसी कड़ी में उन्होंने पीजी कॉलेज बेमेतरा परिसर में 3 करोड़ रुपए की लागत से ऑडिटोरियम निर्माण की घोषणा की। इस गरिमामयी अवसर पर उपस्थित शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि जिले मे यह समारोह विगत 40 वर्षो से निरंतर आयोजित हो रहा यह शिक्षक सम्मान समारोह पूरे प्रदेश में अद्वितीय है। उन्होंने कहा मैंने स्वयं शिक्षक जीवन में यह अनुभव किया है कि बेमेतरा की धरती शिक्षा के लिए हमेशा प्रेरणा देती रही है। यहाँ के नागरिकों ने शिक्षा को सदैव प्राथमिकता दी है, यही कारण है कि यह परंपरा चार दशकों से जारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल कक्षा का मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि समाज का दीपस्तंभ है। उनके द्वारा बोए गए संस्कार और मूल्य ही आने वाले समय में राष्ट्र का भविष्य गढ़ते हैं। उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा देते हुए कहा कि आज के युग में शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को जिम्मेदार नागरिक बनाती है। शिक्षा मंत्री ने जिले के लिए नवीन भवन निर्माण की घोषणा की जिसमे शासकीय बालक हायर सेकंडरी स्कूल, बेमेतरा, स्वामी आत्मानंद शासकीय हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा, पीएम उत्तर बुनियादी बेसिक शाला शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खेल, कला, संस्कृति और तकनीक में भी आगे बढ़ेंगे। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का संगम है। इस अवसर पर उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि एक अच्छा शिक्षक जीवनभर अपने विद्यार्थियों को प्रेरित करता है। स्थानीय विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा की धरती शिक्षा और संस्कार की भूमि रही है, यहाँ के नागरिक सदैव बच्चों की पढ़ाई और शिक्षकों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते आए हैं। 40वें शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल होकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन जीने की सही दिशा देने वाला पथप्रदर्शक होता है। शिक्षक ही भविष्य की पीढ़ी को संवारकर राष्ट्र निर्माण का कार्य करते हैं।

उन्होंने समारोह को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरे जिले में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल शिक्षकों को सम्मान मिलता है बल्कि विद्यार्थियों में भी उत्कृष्टता की प्रेरणा जागृत होती है। विधायक साहू ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए पीजी कॉलेज परिसर में ऑडिटोरियम निर्माण की मांग रखी, जिस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तुरंत सहमति देते हुए 3 करोड़ रुपये की स्वीकृति की घोषणा की। साथ ही शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जिले के प्रमुख विद्यालयों के लिए नवीन भवन निर्माण की घोषणा कर इस मांग का समर्थन किया। उन्होंने उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है, जब शिक्षक सम्मान के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र को भी नए संसाधन और सुविधाएँ मिली हैं। आने वाले समय में बेमेतरा जिला शिक्षा और संस्कार दोनों में प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश में अग्रणी बनेगा। समारोह में पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल, भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, राजेन्द्र शर्मा, जिला पंचायत प्रतिनिधि बलराम पटेल एवं परमेश्वर वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्षद, शिक्षक समिति के सदस्य और पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

डीजे ढोल आतिश बाजी के साथ विसर्जन किये गए गणपति बप्पा

बेमेतरा। डीजे ढोल आतिश बाजी के साथ गणपति बप्पा का विसर्जन किया गया इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। भादो माह के चतुर्थी तिथि को शहर एंव ग्रामीण क्षेत्रों की चौक चौराहे एंव घर घर विराजमान हुए गणेश जी की विधि विधान से 10 दिवस तक पूजा अर्चना किया गया ततपश्चात अंनत चतुर्थी के दिन गणपति बप्पा को नदी एंव तालाब में विसर्जित किये गए। इसके पहले जिला मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित गणेश पंडाल के मूर्ति का से लेकर देर रात तक विभिन्न वाहनों में गणपति बप्पा की मूर्ति को नगर भ्रमण कराया गया उसके बाद नगर से 8 किलोमीटर स्थित शिवनाथ नदी में विसर्जित किया गया। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी विसर्जन किया गया है। इसी की एक झलक ग्रामीण अंचल के अमचो एंव पचभैया में देखने को मिला। जहां बाल गणेशोत्सव समिति अमचो में ग्रामचार्य पंडित श्रीविलास शर्मा द्वारा पूजा-हवन कराकर लंबोदर महाराज की सिहांसन हिलाकर और ढोल बाजे की थाप में भजन गाते हुए नदी ले जाया गया। नदी किनारे बप्पा की महाआरती की गई। ततपश्चात गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे के साथ नदी में विसर्जन किया गया। इस दौरान समिति की ओर से डुकेश्वर चंद्राकर, सागर निर्मलकर, धीरज, तेजस, दुर्गेश, नुतेश्वर, गौकरण, रामु गन्धर्व सहित आसपास के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया ईद मिलादुन्नबी का जश्न

दल्लीराजहरा। मुस्लिम समाज दल्ली राजहरा के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दल्ली राजहरा में ईद मिलादुन्नबी का जश्न मनाया गया। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के जन्मदिवस ईद-ए-मिलादुन्नबी का पर्व शुक्रवार को दल्लीराजहरा में अकीदत व आस्था के साथ मनाया गया। मस्जिद में विशेष सजावट, जुलूस-ए- मोहम्मदी, सलातो सलाम और दुआओं के बीच भाईचारे और अमन का संदेश दिया गया। शहर में सुबह जामा मस्जिद से जुलूस-ए- मोहम्मदी निकला, जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। परचम कुशाई और फ ातिहा के बाद नायब इमाम अकीक अहमद नूरी ने नबी-ए-पाक की सीरत पर तकरीर करते हुए कहा- हमारे नबी रहमतुल्लिल आलमीन बनकर आए और इंसानियत-मोहब्बत का पैगाम दिया, हमें उसी

रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने अमन, भाईचारा और प्रदेश की खुशहाली की दुआ मांगी। जुलूस शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए वापस जामा मस्जिद पहुंचा। जुलूस में नातख्वांओं ने पैगंबर-ए-इस्लाम की शान में नात व मनकबत पेश की। जुलूस के बाद आम लंगर का आयोजन हुआ। इंतजामियां कमेटी के मुतवल्ली मुश्ताक अहमद अंसारी ने प्रशासन और समाज के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे हुजूर ने अमन-शांति का पैगाम दिया है, हमें इसे हर हाल में कायम रखना है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने समाज को समानता, भाईचारा और इंसानियत का पैगाम दिया। हमें उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर शांति और सदभाव से समाज का निर्माण करना चाहिए। जूलुस ए मोहम्मदी में मुख्य रूप से हाजी मजीद, हाजी मोईद शफी, हाजी नासिर मुन्ना, साऊद आलम हाजी आर आई, हाजी हाशमी, हाजी सनव्वर, हाजी अफजल, मुनव्वर हुसैन गुलाम शिमनानी, शेख नय्ययुम, अशरफ़ मेमन, अली, अकरम हुसैन, फरीद मोहम्मद, मोहम्मद फारूक कलीम बड़गुजर, मोहम्मद फिरोज, आलम फौजी, सुहैल फारूकी, एस अंसारी, याशीर फारूकी, इकराम, मुश्ताक़ अंसारी, नूर आलम,राजा पठान, बड़गुजर, अफसर कुरैशी, मिस्कीन, मोहसिन, फराज हुसैन, अक्की, नफीस एवं समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत

डोंगरगांव नगर। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने अपनी कर्मठता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पण से एक नई ऊँचाई हासिल की है। सर्वजन न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष शरद द्विवेदी ने संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए अंजू त्रिपाठी को राष्ट्रीय महामंत्री के महत्वपूर्ण पद पर मनोनीत किया है। राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने पर अंजू त्रिपाठी अब राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की गतिविधियों का संचालन करेंगी। वे जन-जन तक न्याय एवं अधिकारों की आवाज पहुँचाने में अपनी भूमिका निभाएंगी। उल्लेखनीय है कि अंजू त्रिपाठी लंबे समय से समाजसेवा एवं जनकल्याण के कार्यो से जुड़ी रही हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने डोंगरगांव में स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, जल संरक्षण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष जोर दिया है। अंजू त्रिपाठी की इस उपलब्धि पर संगठन के वरिष्ठ

पदाधिकारियों एवं अनेक गणमान्य नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत होने पर डॉ. महेश पटेल, सोभलेश तिवारी, रागिनी पाण्डेय, डॉ. नवनीता शर्मा, ज्योति शर्मा, मिथिलेश गौतम, एडवोकेट गीता सिंह ठाकुर, मंजू गौतम, प्रतिभा त्रिपाठी, पूजा वशिष्ठ, रानी अहिरवार, प्रवीण मिश्रा, रूपेश खरे, संजय प्रेम जोशी, अशोक शर्मा, अशोक तिवारी सहित संगठन के समस्त पदाधिकारी एवं ईष्टजनो एवं शुभचिन्तको ने बधाई व शुभकामनाएँ दी है।

आरटीओ चालान भुगतान के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें : परिवहन विभाग

बेमेतरा। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीओ ई-चालान से संबंधित ऑनलाइन ठगी के मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें नकली ई-चालान भेजकर लोगों को ट्रैफिक नियम तोड़ने का डर दिखाया जाता है और लिंक पर क्लिक करने के लिए मजबूर किया जाता है। इन फर्जी संदेशों के माध्यम से लोगों की व्यक्तिगत जानकारी और बैंक खाते से पैसे चुराए जा रहे हैं। परिवहन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध लिंक या एपीके फाइल पर क्लिक न करें और केवल वास्तविक चालान की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर ही प्राप्त करें।

पुलिस कॉलोनी में भगवान श्री गणेश का महाआरती, हवन-पूजन, भंडारा/प्रसादी वितरण एवं भजन-कीर्तन

बेमेतरा। रक्षित केन्द्र बेमेतरा पुलिस कॉलोनी में विगत 11 दिनों से स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का आज विधि-विधान एवं पूर्ण श्रद्धा भाव धूमधाम से विसर्जन किया गया। इस अवसर पर पुलिस परिवार के सदस्यों ने अनंत चतुर्दशी के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। हवन-पूजन के पश्चात भंडारा एवं प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें पुलिस परिवार के सभी महिला, पुरुष एवं बच्चों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन की तरह भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिससे पूरे परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को शोभायात्रा के रूप में बाजे-गाजे, हरि-कीर्तन और उत्साहित माहौल में नाचते-गाते हुए विसर्जन के लिए ले जाया गया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष लगाए। इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में पुलिस परिवार के सदस्य, महिलाएँ, बच्चे और श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान श्री गणेश के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की।

शिक्षिका कोनिका सोनी को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार सत्र 2025-26 के लिए 2026 में प्राप्त होगा पुरुस्कार

डोंगरगांव नगर। ब्लॉक की शिक्षिका कोनिका सोनी को राज्यपाल पुरुस्कार मिलने जा रहा है। सोनी मुख्यालय डोंगरगांव नगर की निवासी है। वे नगर की बेटी व बहू है। वे इन दिनों ग्राम अड़ाम के प्राथमिक शाला में पदस्थ है। हालांकि उन्हें ग्राम चिचदो में पदस्थ रहने दरम्यान नवाचार व उत्कृष्टता के मद्देनजर सत्र 2025-26 के लिए राज्यपाल पुरुस्कार के लिए चयनित किया गया है। दरअसल सोनी जिस स्कूल में रहीं हैं, वहां बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दी। उन्होंने चिचदो स्कूल को अपने कल्पना और बच्चों के अनुरूप बनाने के लिए स्कूल के कक्षों को रेलगाड़ी के रूप में परिवर्तित कर दिया। इससे बच्चे स्कूल की ओर आकर्षित हुए। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा, संस्कार से संबंधित अनेक कार्य किये। सोनी के कार्य को ग्रामीणों ने भी सराहा तथा बच्चों को भी उनके पढ़ाने में तरीके से काफी लाभ हुआ है। उन्होंने शाला त्यागी बच्चों को भी वापस लाने के लिए भरसक प्रयास किया। चिचदो गांव को पूर्ण साक्षरता की ओर ले जाते हुए मतदान के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में सोनी ग्राम

अड़ाम के प्राथमिक शाला में सेवा दे रही हैं। राज्यपाल पुरुस्कार के लिए उनके चयन की घोषणा 5 सितंबर 2025 को आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार सम्मान समारोह में छग के शिक्षा मंत्री द्वारा किया गया है। अतः सोनी को आगामी वर्ष 5 सितंबर 2026 को राज्यपाल पुरुस्कार से नवाजा जायेगा।

नवाचारों ने दिलाई है सफलता

शिक्षिका कोनिका सोनी ने नवाचार की मिशाल पेश की। बच्चों के लिए पुस्तकालय, जादुई पिटारा, बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने विभिन ड्रेस, कबाड़ से जुगाड़ जैसे शिक्षाप्रद विभिन्न सामग्री का प्रबंध किया। सोनी शिक्षा विभाग के विभिन्न संस्थाओं में मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दे चुकी है।

शिक्षा से जुड़ा है पूरा परिवार

उल्लेखनीय है कि सोनी नगर के शिक्षाविद एवं सेवानिवृत्त शिक्षक रहे स्व.एमआर सोनी व सेवानिवृत्त प्रधानपाठक स्व के सोनी की पुत्रवधू तथा मीडिया से जुड़े दिवाकर सोनी की धर्मपत्नी है। सोनी ने अपनी सफलता का श्रेय विभागीय अधिकारियों के सतत मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के लगन व इच्छाशक्ति सहित ग्रामीणों के सहयोग को दिया है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर डौंडी विकास खंड के उत्कृष्ट शिक्षकों का किया गया सम्मान

दल्लीराजहरा। शिक्षक दिवस के अवसर पर डौंडी विकास खंड के 'उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान 'का जिला स्तरीय कार्यक्रम स्वामी आत्मानंद ऑडिटोरियम बालोद मे आयोजित किया गया। जिसमे प्राथमिक शाला खम्हारटोला 02 नयाबाजार राजहरा संकुल से राजमल जैन, प्राथमिक शाला केलाबाड़ी क्रमांक श1 पुराना बाजार राजहरा से संगीता भंडारी, प्राथमिक शाला साल्हे संकुल साल्हे से राजकुमार सिंह, प्राथमिक शाला धोतीमटोला बसंत कुमार खरे, प्राथमिक शाला दारूटोला से लीलाधर ठाकुर, एवं प्राथमिक शाला जमरूवा से सीमा दामले, प्राथमिक शाला पटेली से बसंतमणी साहू आदि शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु जिलाधीश दिव्या उमेश मिश्रा द्वारा सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की सुभकामनायें प्रदान की।

साइबर अपराधी अक्सर धोखाधड़ी वाले तरीकों का उपयोग कर बनाते है निशाना, रहे अलर्ट : देवांश राठौर

बालोद। ग्रामीण कोटा क्रेडिट एसेक्स इंडिया फाउंडेशन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में साइबर जागरूकता के संबंध में पाम्पलेट वितरण कर जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के तहत समूहों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक किया, जैसे कि ऑनलाइन सुरक्षा के नियम, साइबर धमकी को रोकने के तरीके और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा कैसे करें। स्वयं के निकाले ऋण राशि को किसी भी लालच में किसी भी दूसरे व्यक्ति को नहीं देने की हिदायत दी गई। बालोद पुलिस ने जिले के विभिन्न समूहों के लगभग 100 से 150 महिलाओं को पाम्पलेट वितरित किए, जिसमें नशा मुक्ति और साइबर जागरूकता के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। दरअसल शनिवार को पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देशन एवं अति पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में एसडीओपी देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व मे जिले के विभिन्न स्व सहायता समूहों, संगठनों को साइबर ठगी, साईबर सुरक्षा की जानकारी दी गई। आयोजित कार्यक्रम में एसडीओपी देवांश सिंह राठौर द्वारा शहर और ग्रामीण क्षेत्र के महिला समूहों को साइबर जागरूकता संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। बदलते तकनीकी दौर में इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे जहां सुविधाएँ मिल रही हैं। वहीं साइबर अपराधों की आशंका भी लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने महिलाओं को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के बारे में बताया।

धोखाधड़ी वाले भोले-भाले लोगों को बनाते हैं निशाना

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित महिलाओं को यह समझाया गया कि इंटरनेट का प्रयोग करते समय अपनी व्यक्ति गत जानकारी जैसे आधार संख्या, बैंक विवरण, पासवर्ड और ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। उन्हें यह भी बताया गया कि संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल और अज्ञात संदेशों से बचना कितना आवश्यक है। विशेषज्ञों ने उदाहरण देकर स्पष्ट किया कि साइबर अपराधी अक्सर धोखाधड़ी वाले तरीकों का उपयोग कर भोले-भाले लोगों को निशाना बनाते हैं। महिला समूहों को सुरक्षित पासवर्ड बनाने, समय-समय पर उसे बदलने और मोबाइल में एंटीवायरस तथा सुरक्षा सुविधाएँ सक्रिय रखने की सलाह दी गई। साथ ही सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करने और निजी फोटो या वीडियो साझा न करने पर विशेष जोर दिया गया। स्वयं के निकाले ऋण राशि को किसी भी लालच में किसी भी दूसरे व्यक्ति को नहीं देना की हिदायत दी गई।

प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की

कार्यक्रम में साइबर सेल से प्रधान आरक्षक चुरेंद्र लाल ने साइबर फ्रॉड के विभिन्न तरीकों उससे बचने के उपाय, नशा मुक्ति के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को तकनीक का सही और सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना था ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी से बचाव कर सकें। उपस्थित प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। उक्त कार्यक्रम में एसडीओपी देवांश सिंह राठौर, साइबर सेल बालोद से प्रधान आरक्षक रूमलाल चुरेंद्र, आरक्षक रविकांत गंधर्व, रीजनल मैनेजर नीवरुट्टी निकोड़े, एरिया मैनेजर बाला राम पटेल, लाइजर ऑफिसर भारत भूषण शर्मा एवं सभी स्टाफ और जिले के विभिन्न के समूहों के कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया

दल्लीराजहरा। दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। हर साल की तरह इस वर्ष भी डांस क्लास में विशेष तैयारियां की गई। आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा ओल्ड इज़ गोल्ड थीम, जिसके तहत पूरे क्लास को खूबसूरती से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काट कर हुई। इसके बाद विविध रंगारंग प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। इनमें डांस ड्रामा, सिंगिंग, सोलो डांस, डुएट डांस, ट्रायो डांस, कविता पाठ, गेम्स तथा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य और गीत शामिल थे। इसके अलावा गोविंदा के सुपरहिट गानों पर डांस और ग्रुप ड्रामा ने समां बांध दिया। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों का आरती एवं दीप प्रज्ज्वलन से स्वागत किया गया। अंत में श्री गणेश की पूजा और आरती के साथ इस यादगार कार्यक्रम का समापन हुआ। दल्ली मॉडर्न आर्ट क्लब की इस पहल को सभी ने सराहा और इसे एक प्रेरणादायक और मनोरंजक आयोजन बताया।

संक्षिप्त समाचार

कपड़ा दुकान में चोरी करने वाले दो नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

रायपुर। थाना देवेंद्र नगर क्षेत्र अंतर्गत पण्डरी स्थित कपड़ा मार्केट की एक दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें एक वयस्क आरोपी सहित दो नाबालिग शामिल हैं। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई नगद राशि 25,000 भी बरामद की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी महेन्द्र पाल सिंह खुराना ने थाना देवेंद्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान अमृत हाउस ऑफ कारीगरी (सुराना मार्केट, सिटी सेंटर मॉल के पीछे, पण्डरी रायपुर) से नगदी रकम चोरी हो गई है। दिनांक 23 अगस्त 2025 को रात्रि 9 बजे उन्होंने दुकान बंद की थी और 24 अगस्त की दोपहर करीब 2 बजे जब मैनेजर ने दुकान खोली, तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिला और कैश काउंटर का लॉक टूटा हुआ था। कैश काउंटर से रखी गई नगदी गायब थी। अज्ञात चोरों ने दुकान में घुसकर वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद अपराध क्रमांक 172/25, धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा थाना देवेंद्र नगर की संयुक्त टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और आस-पास के लोगों से पूछताछ की गई। इसी दौरान एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने तेलीबांधा निवासी आशीष यादव (उम्र 19 वर्ष) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आशीष यादव ने चोरी की घटना को कबूलते हुए बताया कि उसने दो अन्य नाबालिग साथियों के साथ मिलकर यह चोरी की है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दोनों नाबालिगों को भी पकड़ा और तीनों के कब्जे से कुल 25,000 की नगदी रकम जब्त की गई। तीनों आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ज्वेलरी शॉप में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना आरंग क्षेत्रांतर्गत ग्राम लखौली स्थित एक ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने चोरी की दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हुए दुकान से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चुरा लिए थे। आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान और दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 1,50,000 बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी राजेन्द्र सोनी ने थाना आरंग में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी ग्राम लखौली में स्थित ज्वेलर्स की दुकान में दिनांक 3 अगस्त 2025 की रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। प्रार्थी ने रात 8 बजे दुकान बंद कर ताला लगाया था, लेकिन अगली सुबह उसके बेटे ने सूचना दी कि दुकान का ताला टूटा हुआ है। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि दुकान के शटर का ताला और कांच टूटा हुआ था तथा अंदर रखे सोने-चांदी के सभी जेवरात गायब थे। इस पर थाना आरंग में अपराध क्रमांक 441/25, धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नया रायपुर) विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (क्राइम) संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक माना लम्बोदर पटेल, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट प्रभारी तथा थाना प्रभारी आरंग के मार्गदर्शन में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन और मुखबिर सूचना के आधार पर अज्ञात आरोपियों की पतासाजी शुरू की। तफ्तीश के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर तिल्दा निवासी अजित जोगी देवार उर्फ पोन्दी देवार (उम्र 21 वर्ष) और कुलदीप देवार (उम्र 19 वर्ष) को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने ज्वेलरी शॉप में चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए उन्होंने थाना पण्डरी और खरोरा क्षेत्र से चोरी की गई दो दोपहिया वाहनों का उपयोग किया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात तथा घटना में प्रयुक्त दोनों चोरी की बाइक बरामद की, जिनकी कुल कीमत 1.5 लाख के आसपास है। आरोपियों के विरुद्ध थाना आरंग में अपराध दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है, वहीं बरामद दोपहिया वाहनों से जुड़े प्रकरण थाना पण्डरी एवं खरोरा में पहले से पंजीबद्ध हैं।

फर्जी पुलिस बनकर केस सुलझाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों से पैसे लेकर केस सेटल करता था। आरोपी का नाम आशीष घोष है। उसे गुरुवार को अदालत में पेश करने के बाद 6 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने आशीष के पास से 2 लाख रुपये नकद, सोने की दो अंगूठियाँ, दो सोने की चूड़ियाँ और अन्य कीमती सामान बरामद किया है, जिनका कोई वैध हिसाब आशीष नहीं दे सका।

मुख्यमंत्री साय विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन में हुए शामिल

भारतीय संस्कृति की आत्मा है संस्कृत हमें इसे नई पीढ़ी तक पहुँचाना होगा...

■ संस्कृत हमारी विरासत का आधार, इसे संरक्षित करना सबकी जिम्मेदारी

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय संस्कृति की आत्मा संस्कृत में निहित है, जो हमें विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। संस्कृत भाषा व्याकरण, दर्शन और विज्ञान की नींव है, जो तार्किक चिंतन को बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के संजय नगर स्थित सरयूपारीण ब्राह्मण सभा भवन में आयोजित विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी प्रासंगिक और उपयोगी है। संस्कृत भाषा और साहित्य हमारी विरासत का आधार हैं, जिन्हें हमें संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देववाणी संस्कृत पर चर्चा के साथ यह सम्मेलन

भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाने का एक महान प्रयास है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ और सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में संस्कृत भाषा को शामिल करने से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास सुनिश्चित होगा। संस्कृत में वेद, उपनिषद और पुराण जैसे ग्रंथों का विशाल भंडार है, जो दर्शन, विज्ञान और जीवन-मूल्यों का संदेश देते हैं। वेदों में वर्णित आयुर्वेद, गणित और ज्योतिष आज भी प्रासंगिक हैं और शोध का विषय हो सकते हैं। इन ग्रंथों में कर्म, ज्ञान और भक्ति के सिद्धांत स्पष्ट रूप से प्रतिपादित हैं, जो आधुनिक जीवन में शांति और संतुलन ला सकते हैं।ऐसे में संस्कृत शिक्षा आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक और उपयोगी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वेदों और उपनिषदों के ज्ञान को अपनाकर हम अपनी विरासत को संजोने के साथ-साथ अपने जीवन को भी समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें युवाओं को संस्कृत साहित्य से जोड़ने के लिए प्रेरित करना होगा, ताकि वे इस ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचा सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तकनीक के माध्यम से संस्कृत शिक्षा को आकर्षक और प्रासंगिक बनाया जा सकता है। राज्य में संस्कृत विद्वानों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इस सम्मेलन के माध्यम से हमें संस्कृत विद्या के प्रचार-प्रसार और अगली पीढ़ी को जोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने सरयूपारीण ब्राह्मण सभा, छत्तीसगढ़ के प्रचार पत्रक का विमोचन भी किया। विराट संस्कृत विद्वत-सम्मेलन का आयोजन संस्कृत भारती छत्तीसगढ़ एवं सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

माताओं-बहनों के सम्मान से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि संभव

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज रायगढ़ जिले के खरसिया में आयोजित भव्य कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 19वीं किस्त का भुगतान किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश की 69,15,994 महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 1000-1000 रुपये की राशि अंतरित की। कुल 647.13 करोड़ रुपये की यह राशि एक क्लिक के माध्यम से हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनके आत्मसम्मान को सशक्त करने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आर्थिक सहयोग न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा, बल्कि परिवार की आर्थिक मजबूती और सामाजिक सुरक्षा में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने महिलाओं से संवाद करते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कदम उठाती रहेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह योजना छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों के जीवन में आशा, विश्वास और नई प्रेरणा का संचार कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार महिलाओं की बेहतरी और समाज की उन्नति के लिए इसी प्रकार लगातार कार्य करती रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 मार्च 2024 से प्रारंभ हुई इस योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 69 लाख पात्र महिलाओं को प्रतिमाह सीधे उनके बैंक खातों में आर्थिक सहायता दी जा रही है। आज की 19वीं किस्त सहित अब तक कुल 12,376.19 करोड़ रुपये की राशि हितग्राहियों तक पहुँचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में अभूतपूर्व भूमिका निभा रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान कर रही है। यह उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

एक सप्ताह में तीन बड़े घरों में चोरी.... लाखों की नकदी और जेवरात गायब

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर के सरस्वती नगर और डीडी नगर थाना क्षेत्रों में बीते एक सप्ताह के भीतर चोरी की तीन बड़ी वारदातों ने पुलिस की नींद उड़ा दी है। कोटा टीचर्स कॉलोनी, अश्विनी नगर और सुंदरम विहार क्षेत्रों में घरों का ताला तोड़कर लाखों रुपये नकद और सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफकिया गया है। सभी घटनाएं तब हुईं जब मकान मालिक घर से बाहर थे, जिससे चोरों को वारदात को अंजाम देने का पूरा मौका मिला। पहली घटना सरस्वती नगर थाना क्षेत्र की है, जहां स्पीच थैरेपिस्ट मोहम्मद सरताज के कोटा टीचर्स कॉलोनी स्थित घर में चोरों ने करीब सात लाख रुपये नकद और कीमती गहने चुरा लिए। सरताज 29 अगस्त को टीम के साथ विशाखापट्टनम दौरे पर गए थे। 31 अगस्त को सफाई के लिए आई नौकरानी ने टूटा ताला देखा और 1 सितंबर को सरताज के लौटने पर चोरी की जानकारी सामने आई। उन्होंने तत्काल थाना सरस्वती नगर में शिकायत दर्ज कराई। दूसरी वारदात डीडी नगर थाना क्षेत्र के डंगनिया में हुई, जहां अश्विनी नगर स्कूल की व्याख्याता तारिणी वर्मा के घर 26 से 28 अगस्त के बीच चोरों ने धावा बोला। ताले तोड़कर चोरों ने करीब ढाई से तीन लाख रुपये नकद और साढ़े चार लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने चोरी किए। चोरी गए नकदी को स्कूल की फीस बताया गया है। गहनों में दो सोने के हार, आठ अंगूठियां, मंगलसूत्र, चेन, कंगन, झुमके, टॉप्स और चांदी के जेवर शामिल हैं। पुलिस को मिली सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध युवक बैग लेकर घर से निकलते हुए दिखाई दे रहा है। सरस्वती नगर टीआई नरेंद्र साहू ने बताया कि मामले की जांच तेज़ी से की जा रही है। तीसरी वारदात डीडी नगर थाना क्षेत्र के सुंदरम विहार की है, जहां अमित सोनी ने अपने भाई सुमित कुमार के किराए के मकान में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने दिव्यांग युवक को दिया आगे बढ़ने का सहारा, श्री अमर मरकाम को तत्काल मिली स्कूटी

महुआ मोइत्रा ने रायपुर पुलिस को कहा बेवकूफ

सांसद महुआ मोइत्रा बोलीं-अपने आकाओं की बात सुनना बंद करो

रायपुर। संवाददाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने अब रायपुर पुलिस को बेवकूफ कहा है। दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रायपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। इससे चिढ़ी महुआ मोइत्रा ने वीडियो जारी कर रायपुर पुलिस को बेवकूफ कहते हुए अपने आकाओं की नहीं बात नहीं सुनने की बात कही है। रायपुर पुलिस को टैग करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो जारी की है। महुआ मोइत्रा नए वीडियो में कह रही है कि अंग्रेजी में जो लिखा

जाता है या फिर कहा जाता है, हिंदी में उसका अर्थ वह नहीं होता है। वे बयान के लिए दर्ज की गई एफआईआर के खिलाफ कोर्ट जाएगी। महुआ मोइत्रा ने कहा कि उनके विरोधियों को हर बार शिकस्त मिली है। इस बार भी ऐसा ही होगा। साथ ही कहा कि मुहावरे बेवकूफों के लिए नहीं होते। मोइत्रा ने छत्तीसगढ़ पुलिस को टैग करके लिखा है कि आपने पिछला मुकदमा हाईकोर्ट से फटकार लगने के बाद तुरंत वापस ले लिया था। आप भाजपा के आकाओं की बात सुनना बंद करो। बता दें कि अमित शाह पर बंगाली भाषा में आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरी महुआ मोइत्रा ने कहा कि महुआ ने स्पष्ट किया कि अंग्रेजी या बंगाली में कही गई बातों का शाब्दिक हिंदी अनुवाद हमेशा सही अर्थ नहीं देता। महुआ का कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह एक बंगाली मुहावरा था, लेकिन उसका गलत अनुवाद कर राजनीतिक रंग दिया गया।

सरल और सहज मुख्यमंत्री देव साय का दिखा अपनत्व, नन्हे इवान को गोद में लेकर किया दुलार

रायपुर। रायगढ़ के खरसिया पहुँचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सहजता, सरलता और अपनेपन ने आज सभी को गहरे तक प्रभावित किया। खरसिया हेलीपैड पर जब उनकी नज़र ढाई साल के इवान पर पड़ी तो वे बच्चे को दुलारे बिना नहीं रह सके। आत्मीय मुस्कान के साथ मुख्यमंत्री श्री साय ने नन्हे इवान को अपनी गोद में उठाया और बड़े स्नेह से दुलार किया। नर्सरी में पढ़ने वाला इवान अपने पिता के साथ बड़े उत्साह से हेलीपैड पर मुख्यमंत्री को देखने आया था। बच्चे को अचानक मुख्यमंत्री श्री साय की गोद में देखकर वहां मौजूद सभी लोग भावुक और आश्चर्यचकित रह गए। यह दृश्य मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सहजता, आत्मीयता और संवेदनशील व्यवहार का सजीव उदाहरण बन गया। इसे देखकर लोगों के मन में यह भाव सहज ही उमड़ पड़ा कि मुख्यमंत्री के दिलो-दिमाग में केवल प्रदेश की प्रगति और जनकल्याण का ही संकल्प नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के प्रति उनका गहरा अनुराग भी है। इवान के पिता श्री अमन गर्ग ने कहा कि अपने बेटे को मुख्यमंत्री की गोद में देखना उनके परिवार के लिए भावुक, अनमोल और अविस्मरणीय क्षण है।

तिल्दा नेवरा शराब दुकान पर विवाद वीडियो आया सामने

■ उड़नदस्ता अधिकारी पर मारपीट और अवैध वसूली का आरोप

रायपुर/ संवाददाता

तिल्दा स्थित एक सरकारी शराब दुकान में ओवररेट शराब बिक्री के आरोपों की जांच करने पहुंचे आबकारी विभाग के संभागीय उड़नदस्ता अधिकारी उत्तम भारद्वाज खुद ही विवादों में घिर गए हैं। दुकान के कर्मचारियों ने अधिकारी पर न सिर्फ मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है, बल्कि 60 हजार रुपये की मांग करने और अंत में 25 हजार रुपये लेकर जाने की भी बात कही है। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना 2 सितंबर की बताई जा रही है, जब अधिकारी उत्तम भारद्वाज अचानक दुकान पर निरीक्षण के लिए पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने कर्मचारियों पर शराब महंगे दामों में बेचने का आरोप लगाया और 60 हजार रुपये की मांग की। सुपरवाइजर मधु राय ने इस आरोप से इनकार करते हुए कहा कि दुकान में केवल निर्धारित दरों पर ही शराब बेची जा रही है और कोई अवैध वसूली नहीं हो रही है। बताया जा रहा है कि अधिकारी को यह जवाब नागवार गुज़रा और उन्होंने सुपरवाइजर के साथ बहस शुरू कर दी, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उत्तम भारद्वाज ने गुस्से में आकर मधु राय को थप्पड़ मार दिया।

नवगुरुकुल में छात्राओं से मिले वित्त मंत्री ओपी चैधरी

आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

■ 120 छात्राएँ ले रही हैं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

रायपुर/ संवाददाता

रायगढ़ जिले के मेहनती और वंचित युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित नवगुरुकुल प्रशिक्षण केंद्र का रविवार को वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चैधरी ने गढ़उमरिया पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही 120 छात्राओं से संवाद किया और अपने जीवन अनुभव साझा करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वित्त मंत्री श्री चैधरी ने छात्राओं से बातचीत करते हुए अपने बचपन के संघर्षों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मात्र 8 वर्ष की उम्र में पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने सरकारी स्कूल से बारहवीं तक की पढ़ाई पूरी की और कठिन परिस्थितियों के बावजूद धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नवगुरुकुल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में 120 छात्राएँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, भविष्य में इसे और विस्तारित किया जाएगा। छात्राओं की सफलता इस विस्तार की मजबूत नींव बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रशिक्षण में फिटनेस, योग और खेलकूद जैसी गतिविधियाँ शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि छात्राओं का शारीरिक और मानसिक विकास समान रूप से हो सके। वित्त मंत्री ने नवगुरुकुल में छात्राओं के लिए उपलब्ध भोजन, आवास, इंटरनेट, बिजली और पाठ्य सामग्री

जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि यदि किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो छात्राएँ बेहिचक बताएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। नवगुरुकुल: सशक्तिकरण का नया अवसर वित्त मंत्री श्री ओपी चैधरी के मार्गदर्शन में रायगढ़ में जिला प्रशासन की पहल से संचालित नवगुरुकुल में 120 छात्राओं को नि:शुल्क आवासीय दो वर्षीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भोजन और आवास सहित सभी सुविधाएँ नि:शुल्क उपलब्ध हैं। नवगुरुकुल एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य वंचित युवाओं को गरिमामय करियर दिलाना है। यहाँ छात्राओं को इंजीनियरिंग, प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, बिजनेस आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के बाद उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं और कई पूर्व छात्राएँ आज 12-18 लाख रुपये वार्षिक तक का वेतन कमा रही हैं। नवगुरुकुल की नेतृत्व टीम में आईआईटी, एनआईटी, सेंट स्टीफेंस कॉलेज और हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के पूर्व छात्र शामिल हैं। इस संस्थान ने शिक्षा और पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी एकीकृत किया है, ताकि छात्राएँ भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार हो सकें। वर्तमान में देशभर में नवगुरुकुल के 9 परिसरों में 1,100 से अधिक छात्राएँ अध्ययनरत हैं। रायगढ़ में यह केंद्र जिला प्रशासन के सहयोग से केआईटी कॉलेज परिसर में संचालित हो रहा है, जिससे यहाँ की बालिकाएँ आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

संपादकीय

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिश

शुल्क संघर्ष बढ़ने के बीच भारत और जापान ने अपने विशेष रणनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के वास्ते अगले दस वर्षों के लिए साझेदारी का एक नया खाका तैयार किया है। इसमें रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, दवा, महत्त्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकी और आर्थिक सुरक्षा ढांचा शामिल हैं। इसके तहत कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं, जिनमें न केवल साझा हित निहित हैं, बल्कि वैश्विक कारोबार में भी दोनों देशों की साख मजबूत होगी। खासकर, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क से निपटने के उपायों की तलाश के बीच जापान से यह साझेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत व्यापार के वैकल्पिक रास्ते खोजने में जुटा है और जापान के साथ समझौतों को इसी कड़ी का एक हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से जापान भी अछूता नहीं है और ऐसे में वह भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिशों के तहत भारत ने चालीस देशों के साथ व्यापारिक संवाद का अभियान शुरू किया है। जापान भी उनमें से एक है। विभिन्न समझौतों के तहत जापान ने भारत में एक दशक के भीतर दस हजार अरब येन (करीब 60,000 करोड़ रुपए) के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी कामगारों को एक-दूसरे के यहां आसानी से आने-जाने एवं काम करने का मौका देने को लेकर भी एक कार्ययोजना बनी है। माना जा रहा है कि इससे पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों के जापान जाने का रास्ता खुलने की उम्मीद है। एक समझौता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एअरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजंसी के बीच चंद्रमा के लिए संयुक्त अन्वेषण मिशन में सहयोग को लेकर हुआ है। दरअसल, भारत-जापान की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसमें दोराय नहीं कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा का संयोजन अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नए आयाम को आकार दे सकता है। रक्षा उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग परस्पर आत्मनिर्भरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। दोनों देशों ने पेरिस समझौते के तहत कार्बन क्रेडिट व्यापार पर एक साथ काम करने के लिए भी समझौता किया है। इस कदम से भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों के लिए धनराशि और प्रौद्योगिकी हासिल करने में मदद मिल सकती है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई का आह्वान किया और सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों को जवाबदेह ठहराने की बात कही। रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी

55 मिनट अमेरिका की थमी रही धड़कन...

भारत-रूस के 'राज' भांप नहीं पाए ट्रंप

(दिनेश मिश्र)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में चीन की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सदस्यों से आतंकवाद से लड़ने के लिए दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सदस्य देशों की एकजुटता के लिए उनका आभार जताया। मोदी ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा। उन्होंने पाकिस्तान की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए समूह से उन देशों को जवाबदेह ठहराने का भी आग्रह किया जो सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं और उसका समर्थन करते हैं। हालांकि, इससे पहले एक तस्वीर मीडिया में आई, जिसमें एक कार में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और पीएम नरेंद्र मोदी साथ दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर यह तस्वीर शेयर करते हुए लिखा-राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर हमेशा खुशी होती है!पुतिन के साथ मोदी की यह तस्वीर सामने आते ही अमेरिका की ट्रंप सरकार में खलबली मच गई और भारत को लेकर दनादन बयान जारी होने लगे। जानते हैं पूरी कहानी।

- **जब मोदी और पुतिन मिले तो अमेरिका को लगी मिर्ची**- एस सीओ के सदस्य देशों ने पहलगाम हमले की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और संवेदना जताई। सदस्यों ने आगे कहा कि ऐसे हमलों के दोषियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। सम्मेलन से इतर, प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ भी बातचीत की, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मास्को से कच्चे तेल की खरीद को लेकर नई दिल्ली के साथ तनाव बढ़ा रहे हैं। इससे पहले रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी नेता शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने अपने सीमा मतभेदों को सुलझाने और सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया।
- **मोदी-पुतिन की तस्वीर सामने और ट्रंप का टैरिफ पीछे**- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोमवार को चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद अपनी द्विपक्षीय बैठक के लिए एक ही वाहन में यात्रा की। यह तस्वीर तब आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मॉस्को के साथ नई दिल्ली के तेल खरीदने पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में रूसी नेता के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा-एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल पर साथ-साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।
- **कार में मोदी-पुतिन 45 मिनट रहे, अमेरिका भांप नहीं पाया**- एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन एससीओ सम्मेलन स्थल से रिट्ज-कार्लटन होटल में आयोजित द्विपक्षीय बैठक तक प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करना चाहते थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल होने के लिए लगभग 10 मिनट तक उनका इंतजार किया। उन्होंने कहा-इसके बाद दोनों नेता उनकी कार में साथ-साथ यात्रा करते हुए विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करते रहे। द्विपक्षीय बैठक स्थल पर पहुंचने के पहले उन्होंने कार में 45 मिनट बिताए। इसके बाद, दोनों नेताओं की एक पूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई जो एक घंटे से ज्यादा चली।

- **मोदी-पुतिन के इस कदम से ट्रंप दरकिनार**- राष्ट्रपति पुतिन का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने रूस के साथ भारत के तेल व्यापार की सार्वजनिक रूप से निंदा की है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई दिल्ली पर यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया है। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया था, जो एशिया में सबसे ज़्यादा है। इससे भारत को ऊर्जा ख़रीद के लिए दंडित किया जा सकता है। अमेरिकी दबाव के बावजूद, भारत ने मास्को के साथ अपना तेल व्यापार बंद नहीं किया है और कहा है कि उसके राष्ट्रीय हित उसकी ऊर्जा आयात नीतियों का मार्गदर्शन करेंगे। नई दिल्ली ने अमेरिकी शुल्कों को अनुचित और अतार्किक भी बताया है।
- **भारत-रूस का गठजोड़ अमेरिकी हितों के खिलाफ**- ट्रंप के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने पीएम मोदी की रूस और चीन के नेताओं के साथ नजदीकियों पर आपत्ति जताई है। नवारो ने कहा कि मोदी का शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़ा होना शर्मनाक है। उन्होंने सवाल उठाया कि पता नहीं मोदी क्या सोच रहे हैं, हमें उम्मीद है कि वे समझेंगे कि उन्हें रूस की बजाय हमारे साथ होना चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है।
- **मोदी की एससीओ बैठक में हिस्सा लेना महज छलावा**- अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे रूस की जंग मशीन को ताकत मिल रही है। उन्होंने भारत को बुरा खिलाड़ी करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टह्ह बैठक में हिस्सा लेने को छलावा करार देते हुए कहा कि अमेरिका और भारत मजबूत लोकतंत्र हैं और मतभेद सुलझा सकते हैं।

ट्रंप टैरिफ ने स्वदेशी का भाव जगा दिया

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया।

हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी तरक्की पाने या आगे बढने का अवसर जरूर आता है। कुछ इसका पूरा फायदा उठाते हुए इतिहास के पन्नों पर तरक्की और कामयाबी के नये अध्याय लिखते हें। तो वहीं कुछ लोग उसे कठिनाई के रूप में देखते हुए उससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। दरअसल, हम जिसे आपदा समझते हैं, उसमें भी एक अवसर छिपा रहता है। बुद्धिमान लोग ऐसे अवसरों को पहचान कर उससे मनचाहा लक्ष्य प्राप्त करते हैं। ऐसी आपदाएं किसी देश के जीवनकाल में भी आती हैं। अगर शासन की बागडोर समझदार, राष्ट्रभक्त और दूरदर्शी नेता के हाथों में हो तो वो किसी भी आपदा को अवसर में बदल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाता है।

आज भारत के सामने ट्रंप टैरिफ की आपदा मुंह बाए खड़ी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसमें रूस से तेल खरीदने पर लगने वाला 25 फीसदी जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ को लेकर की जा रही मनमानी के आगे भारत ने घुटने टेकने से साफ मना कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आपदा को अवसर की तरह देख रहे हैं। साथ ही भारत पूरी दुनिया को बता रहा है कि वह एक मजबूत देश है और दुनिया के तमाम देश उस पर भरोसा करते हैं। उसी क्रम में पीएम मोदी ने 29 अगस्त को जापान की धरती से बड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा है, अब पूरी दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा भी कर रही है।

ट्रंप टैरिफ ने भारत के सामने नई चुनौती रखी है। वहीं तस्वीर का दूसरा रूख यह है कि ट्रंप टैरिफ भारत को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देता है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान दिल्ली के लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। लेकिन हताशा में नहीं बल्कि खुद पर गर्व करते हुए. दुनिया भर में आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है और हमें अपनी मुश्किलों का रोना नहीं रोना चाहिए। हमें इनसे ऊपर उठकर दूसरों के चंगुल से बचना होगा।

शून्य से शिखर की प्रेरक गाथा है संपतिया उइके का राजनीतिक सफर

देश में जनजातीय समुदायों की बहुलता वाले राज्यों में मध्यप्रदेश का नंबर सबसे ऊपर है । मध्यप्रदेश की लगभग साढ़े सात करोड़ आबादी का पांचवां हिस्सा आदिवासियों का है और मध्यप्रदेश के जिन जिलों में आदिवासी समुदायों की बहुलता है उनमें मंडला को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। पुण्य सलिला नर्मदा के तट पर बसे मंडला की धरती पर ऐसी अनेक विभूतियों ने जन्म लिया है जिन्होंने आदिवासी समाज के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए अपने सराहनीय योगदान से न केवल मंडला जिले अपितु संपूर्ण मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है। इन यशस्वी विभूतियों में संपतिया उइके का नाम प्रमुखता से लिया जाता है जो लगभग डेढ़ वर्षों से मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय का कार्य भार दक्षता पूर्वक रही हैं। अत्यंत सहज , सरल और विनम्रता की प्रतिमूर्ति संपतिया उइके ने अपने सार्वजनिक जीवन में जो यश अर्जित किया है वह उनके चार दशकों के कठिन संघर्ष , त्याग और तपस्या का प्रतिफल है। संपतिया उइके हमेशा से ही प्रदेश में भाजपा के उन जुझारू नेताओं की अग्रिम पंक्ति में शामिल रही हैं जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी। अपने लगभग चार दशक के राजनीतिक सफर में संपतिया उइके ने बड़ी से बड़ी चुनौती को भी हंसकर स्वीकार किया और उस पर जीत हासिल की। यूं तो संपतिया उइके के ऐसे विरोधियों की संख्या भी कभी कम नहीं रही जिनने इस जीवट आदिवासी महिला नेता के पथ में अवरोध खड़े करने में कोई कसर नहीं छोड़ी परंतु अंततः उनके विरोधियों को मुंह की खानी पड़ी। मैं संपतिया उइके के राजनीतिक सफर का साक्षी रहा हूं और यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि संपतिया उइके ने अपनी अद्भुत सहन शक्ति, साहस और सूझबूझ से हमेशा अपने विरोधियों को आश्चर्यचकित किया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी संपतिया उइके के इन गुणों के कायल हैं और यही कारण है कि संपतिया उइके की गणना मुख्यमंत्री यादव के विश्वासपात्र निकटतम मंत्रिमंडलीय सहयोगियों में की जाती है । संपतिया उइके की सराहनीय कार्यशैली और कर्मठता ने मुख्यमंत्री के इस विश्वास को विगत डेढ़ वर्षों में निरंतर मजबूत किया है। संपतिया उइके के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि वे अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाती और बड़े से बड़ा प्रलोभन भी उन्हें उनके कर्तव्य पथ से विचलित नहीं कर सकता।

यूं तो संपतिया उइके ने अपने सुदीर्घ राजनीतिक जीवन में अनेकों उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं परन्तु 4 सितंबर 1967 को मंडला जिले के एक छोटे से गांव में जन्मी इस यशस्वी आदिवासी नेता का बचपन अभावों से संघर्ष करते हुए बीता। थोड़ी बड़ी हुई तो पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के लिए अनिवार्य अर्थोपार्जन हेतु उन्होंने मजदूरी करने से भी परहेज़ नहीं किया। शिक्षार्जन के पश्चात् उन्होंने शिक्षकीय व्यवसाय को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया और अल्पकाल में ही विद्यार्थियों की चहेती शिक्षिका के रूप में उनकी ख्याति आसपास के क्षेत्रों तक फैल गई परंतु उनके भाग्य में तो विधाता ने पहले से ही समाज सेवा का क्षेत्र चुन रखा था। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत मंडला जिले के टिकरवारा ग्राम पंचायत के सरपंच का चुनाव जीत कर की । यहां से शुरू हुए अपने राजनीतिक सफर में इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे तीन बार जिला पंचायत की सदस्य निर्वाचित हुईं। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पुनीत भावना से संपतिया उइके ने महिला स्व-सहायता समूहों के गठन की जो पहल की उसके लिए उन्हें पर्याप्त सराहना मिली। कालांतर में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद अनिल माधव दवे के आकस्मिक निधन से रिक्त हुई सीट के लिए भाजपा ने संपतिया उइके का चयन किया । 2023 में संपन्न विधानसभा चुनावों में उन्होंने जब मंडला से राज्य विधानसभा में प्रवेश किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी। तब से वे मोहन यादव सरकार की महत्वपूर्ण सदस्य बनीं हुईं। राज्य सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में भी उनकी राय की अपनी अहमियत होती है। संपतिया उइके का राजनीतिक सफर शून्य से शिखर की प्रेरक गाथा से कम नहीं है। उनके राजनीतिक सफर में अभी और कई महत्वपूर्ण पड़ाव आना बाकी हैं। मैं उनके जन्म दिवस के अवसर पर इस लेख के माध्यम से उन्हें हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। कृष्णमोहन झा/

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

प्राकृतिक आपदाओं की भयंकर मार- हिमालय पर छोटी जलधाराओं का बड़ा उत्पात

बीच का हिमाचल प्रदेश तो बिगत कुछ वर्षों से प्रकृति की इस भयंकर मार को तो निरन्तर झेल ही रहा है। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गलतियां तो इन आपदाओं के प्रमुख कारण हैं ही, लेकिन छोटी सहायक नदियां और नाले, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'गाड़' या 'गदेरा' कहा जाता है, उन पर चर्चा नहीं हा रही है।जबकि, यही गाड़ -गदेरे ही तबाही को अंजाम देते हैं। ये छोटी जलधाराएं, जैसे खीर गाड़, बिरही गाड़, कनोडिया गाड़, और अस्सी गंगा, बड़ी नदियों जैसे गंगा, अलकनंदा, भगीरथी और चिनाब की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी साबित होती हैं।इनका विकराल रूप कोई नई बात नहीं है।

(जयसिंह रावत)

उत्तराखंड के धराली से जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ तक के पश्चिमी हिमालय का क्षेत्र इन दिनों त्वरित बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की भयंकर मार झेल रहा है। गत 5 अगस्त को उत्तरकाशी के धराली में खीर गाड़ और फिर 14 अगस्त को किश्तवाड के चशोती में नालों से आई बाढ़ ने इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को फिर से उजागर कर दिया।

बीच का हिमाचल प्रदेश तो बिगत कुछ वर्षों से प्रकृति की इस भयंकर मार को तो निरन्तर झेल ही रहा है। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गलतियां तो इन आपदाओं के प्रमुख कारण हैं ही, लेकिन छोटी सहायक नदियां और नाले, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'गाड़' या 'गदेरा' कहा जाता है, उन पर चर्चा नहीं हा रही है।जबकि, यही गाड़ -गदेरे ही तबाही को अंजाम देते हैं। ये छोटी जलधाराएं, जैसे खीर गाड़, बिरही गाड़, कनोडिया गाड़, और अस्सी गंगा, बड़ी नदियों जैसे गंगा, अलकनंदा, भगीरथी और चिनाब की तुलना में कहीं अधिक विनाशकारी साबित होती हैं।इनका विकराल रूप कोई नई बात नहीं है। सन् 1970 की अलकनंदा बाढ़ से लेकर 1978 की भगीरथी बाढ़ और अब 2025 की धराली आपदा तक, छोटी नदियों और नालों की विनाशकारी शक्ति बार-बार सामने आई है।इसलिए जरूरी है कि इस क्षेत्र के जल तंत्र को समझा जाए हिमालय के समूचे जलागम क्षेत्र का अध्ययन कर भविष्य के लिए बचाव रणनीति तैयार की जाए। वैसे भी गंगा, यमुना, सतलज और झेलम जैसी नदियों के श्रोत ही यही गाड़ गदेरे है। ये छोटी धाराएं संकीर्ण घाटियों और तीव्र ढलानों में पानी और मलबे को तेजी से नीचे लाती हैं, जिससे त्वरित बाढ़ और मलबा बहाव होता है।हिमालयी जल तंत्र जटिल है, जहां जलवायु परिवर्तन, ऊबड़-खाबड़ भू-आकृति, और मानवीय गतिविधियां आपदाओं को जन्म देती हैं। गंगा जैसी विशाल नदियां देवप्रयाग से शुरू होती हैं, लेकिन उनकी सहायक नदियां अलकनंदा और भगीरथी, और इनसे जुड़े छोटे गाड़-गदेरे, इनका असली जलस्रोत हैं।अंतरराष्ट्रीय जलवायु अनुसंधान केंद्र के अध्ययन के अनुसार, हिमालय में 70-80 प्रतिशत त्वरित बाढ़ें छोटी धाराओं से जुड़ी हैं, जो ऊपरी क्षेत्रों में भारी वर्षा या हिमपात के पिघलने से उत्पन्न पानी को तेजी से नीचे लाती हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार मृदा और जल मूल्यांकन उपकरण मॉडल से अलकनंदा नदी तंत्र का विश्लेषण दिखाता है कि 20 से 24 प्रतिशत पानी इन छोटी धाराओं से आता है, जो बाढ़ को बढ़ाता है।पूरे जल संग्रहण क्षेत्र का अध्ययन न करने से पूर्वानुमान और रोकथाम असंभव हो जाता है। विशेषज्ञ आनंद शर्मा, जो भारतीय मौसम विभाग के पूर्व निदेशक हैं, कहते हैं कि बादल फटने की बजाए पूरे जल संग्रहण क्षेत्र की वर्षा की निगरानी जरूरी है, क्योंकि दूरस्थ छोटी धाराएं ही बाढ़ का मुख्य कारण बनती हैं।छोटी नदियां

और नाले बड़ी नदियों से ज्यादा नुकसान क्यों करते हैं? इसका कारण भौगोलिक, जलवायु-संबंधी और मानवीय कारकों का संयोजन है। हिमालय की संकीर्ण घाटियां और 40 से 50 डिग्री तक की तीव्र ढलानें पानी और मलबे को तेज गति देती हैं। ये धाराएं भारी वर्षा या हिमपात के पिघलने से भरकर मिट्टी, पत्थर, पेड़-पौधे और बड़े-बड़े बोल्डर नीचे लाती हैं, जिससे मलबा प्रवाह क्षेत्र बनते हैं।

अगर इन क्षेत्रों पर बाजार या बस्तियां बनी हों, जैसा कि धराली में हुआ, तो विनाश कई गुना बढ़ जाता है। छोटे नाले बड़ी नदियों को अस्थायी रूप से रोकने में भी सक्षम होती हैं, जिससे झीलें बनती हैं। इन दिनों धराली के ही निकट एक अन्य नाले द्वारा बाढ़ में लाए गए मलबे के कारण भागीरथी में झील बनी हुई है।

ऐसी झीलों के टूटने से टूटने से भयंकर बाढ़ आती रही हैं। उदाहरण के लिए, 1978 में उत्तरकाशी में कनोडिया गाड़ ने भूस्खलन से गंगनानी में 30 मीटर ऊंचा अस्थायी बांध बनाया, जिसके टूटने से भगीरथी में बाढ़ ने निचले क्षेत्रों को तबाह कर दिया।

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान वायुमंडल में नमी बढ़ाता है, जिससे चरम वर्षा की घटनाएं बढ़ती हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान पुणे की 2022 की स्टडी ने पिछले 50 वर्षों में पश्चिमी हिमालय में ऐसी घटनाओं में वृद्धि साबित की है। इसके अलावा, ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलें फटने पर त्वरित बाढ़ लाती हैं।

मानवीय गतिविधियां, जैसे अव्यवस्थित सड़क निर्माण, बांध, और वनों की कटाई, भूगर्भीय रूप से कमजोर क्षेत्रों में ढलानों को अस्थिर करती हैं। मुख्य केंद्रीय थ्रस्ट जोन, जहां चट्टानें टूटी-फूटी हैं, में धराली जैसे स्थानों पर भगीरथी के पास निर्माण ने मलबा बहाव को बढ़ाया है। सिक्किम का तीस्ता-तृतीय बांध, जो 2023 में नष्ट हुआ, इसका एक और उदाहरण है।

इन आपदाओं के ऐतिहासिक उदाहरण इस क्षेत्र की भेद्यता को रेखांकित करते हैं। अगस्त 2025 में धराली में खीर गाड़ से आई त्वरित बाढ़ ने बाजार को बहा दिया, जिसमें बड़ी संख्या में जनहानि हुई है। खीर गाड़ ने भगीरथी को मुखवा की ओर धकेल दिया, जिससे नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ।

उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित हुए शिक्षक

मुख्यमंत्री गौरव अंलकरण योजनान्तर्गत राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हुए

राज्य स्तर पर जयमाला प्रधान पाठक प्राथमिक शाला गोलागुड़ा, हपका मुत्ता सहायक शिक्षक बालक आश्रम झापरा। साथ ही प्राचार्य सेजेस सुकमा टीडी दास को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विकासखंड स्तर पर एच एस सिदार पद प्राचार्य कन्या उ.मा.वि. सुकमा, इंदुलता जंग्टी प्रधान पाठक प्रा.शा. पटेलपारा सोनाकुकानार, सीताराम नाग प्रधानाध्यापक मा.शा. पो.के. गादीरास, राकेश बाजपेयी प्रधान पाठक मा.शा. हमीरगढ, विनोद सिंह ठाकुर प्रधानाध्यापक प्रा.शा. छुर्रागट्टा, मनोज कुमार दिवान प्रधान पाठक प्रा.शा. दन्तेशपुरम, नेन जॉन टेटे प्रधानाध्यापक मा.शा. रेगडगट्टा शामिल है।

सुकमा। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम शबरी आडोटोरियम एजुकेशन सिटी कुम्हाररास सुकमा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चयनित शिक्षकों को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार 2025 हेतु शिक्षादूत पुरस्कार, सहित सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को श्रीफल, साल, प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। जिसमें शारदा प्रसाद कुठारे प्रधान अध्यापक प्रा.शा. कोकरपाल, रामलाल ठाकुर प्रधान अध्यापक प्रा.शा. कलेवांग, घासी राम नाग प्रधान अध्यापक शास. पूर्व मा.शा. गादीरास, देउराम कांगे प्रधान अध्यापक पोर्टाकेबिन चिंतलनार, चन्द्रशेखर सर्फे प्रधान अध्यापक मा.शा. चिंतागुफा, राम सिंह प्रधानी प्रधान अध्यापक मा.शा. तालनार, एच. उमा महेश्वर राव प्रधानपाठक प्रा.शा. चिंताकोण्टा, बी. मोहन राव प्रधानपाठक प्रा.शा. कोलाईगुड़ा, उमा महेश्वर रेड्डी प्रधानपाठक प्रा.शा. केरलापेंदा, भवेश चन्द्र मण्डल प्रधानपाठक कन्या प्रा.शा. तोंगपाल शामिल है।

मुख्यमंत्री गौरव अंलकरण योजनान्तर्गत शिक्षादूत को ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित – सपना सामंत पद सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला नयापारा, सीमा शर्मा पद सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला दुरमापारा, गौतम कुमार साहू प्रधान पाठक प्राथमिक शाता गोतावेकुर, कुन्ती-नाग प्रधान अध्यापक प्राथमिक शाला टिपनपाल, मुले कुमार ठाकुर सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला कोमटीगुड़ा, प्रधान अध्यापक जयंती उसेण्डी, प्राथमिक शाला कमलापदर तोंगपाल, रानूराम सोरी प्रधान पाठक बालक आश्रम गोलापल्ली, नरसिंह समरथ प्रयान पाठक प्राथमिक शाला कुंदेड, दीपा मरकाम सहा. शिक्षक बालक आश्रम मेहता, सविता सुखदेवे शिक्षक माध्यमिक शाला गादीरास, परमेश्वर मांझी प्रधान अध्यापक पूर्व माध्यमिक शाला पेन्दलनार, विश्वनाथ सिंह नाग प्रधान अध्यापक माध्यमिक शाला फंदीगुड़ा सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सम्मानित – सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने प्रथम पुरस्कार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा को, द्वितीय पुरस्कार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा को और तृतीय पुरस्कार आईएमएसटी सुकमा और आकर संस्था सुकमा संयुक्त रूप से दिया गया।

कोण्डागांव चौपाटी मैदान में मीना बाजार, रविवार तक रहेगा आकर्षण

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय कोण्डागांव के चौपाटी मैदान में हर वर्ष की तरह इस बार भी युवा गणेश उत्सव समिति द्वारा गणेश स्थापना एवं उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2011 से लगातार समिति कोण्डागांव में विशालकाय गणेश प्रतिमा की स्थापना कर आकर्षण का केंद्र बन रही है। मंडप की भव्य सज्जा और श्रद्धालुओं की भीड़ गणेश उत्सव को विशेष बनाती है।

इसी कड़ी में समिति की ओर से चौपाटी मैदान में मीना बाजार झूला पार्क का आयोजन किया गया है, जो बच्चों और परिवारों के लिए मुख्य आकर्षण बना हुआ है। यहां ब्रेक डांस झूला, आकाश झूला, ड्रैगन, जंपिंग रिंग, मिकी माउस एयर बलून, छोटे बच्चों के झूले, शॉपिंग बाजार इत्यादि का संचालन किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए विशेष रोमांच और आनंद का कारण बना हुआ है। मीना बाजार के संचालक सुधीर कांत सिन्हा ने बताया कि, स्थानीय श्रद्धालुओं और परिवारों की मांग को ध्यान में रखते हुए झूलों का संचालन केवल रविवार तक किया जाएगा। इस दौरान परिवार और बच्चे उत्सव का आनंद उठाने के लिए लगातार मैदान का रुख कर रहे हैं।

9 एवं 10 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन

कोण्डागांव। राज्य में शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी संस्थानों में नियोजित करने के उद्देश्य से 09 एवं 10 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रोजगार मेला आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए सत्र 2022, 2023, 2024 एवं 2025 में उत्तीर्ण, दसवीं, बारहवीं, आई.टी.आई., डिप्लोमा एवं डिग्री धारक विद्यार्थी, रोजगार कार्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाईन पंजीयन करा सकते हैं। शासकीय आई.टी.आई. फरसगांव में 09 सितम्बर से 11 सितम्बर 2025 तक शिविर का आयोजन रखा गया है, जिसमें आई. टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी जिनका पंजीयन जैसे रोजगार पंजीयन, राज्य स्तरीय रोजगार मेला, अप्रेंटिसशिप, करियर पोर्टल आदि में नहीं हुआ है, ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी अपना शैक्षणिक दस्तावेजों, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन, पासपोर्ट साईज फोटो एवं मोबाइल लेकर उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं।

धूमधाम से मनाया गया जश्ने ईद मिलादुन्नबी

किरंदुल। सुन्नी मदीना मस्जिद, किरन्दुल में जश्ने ईद मिलादुन्नबी पूरे अदब और एहतराम के साथ मनाया गया। इस पवित्र अवसर पर मुस्लिम समुदाय ने सुबह 8:30 बजे जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला, जिसमें शहर के विभिन्न हिस्सों में भ्रमण के दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया गया। जुलूस मस्जिद पहुंचने पर परचम कुशाई की रस्म अदा की गई और मुल्क में अमन व शांति की दुआ मांगी गई। जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर नाश्ते का इंतजाम किया गया था। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। सुन्नी मदीना मस्जिद के मौलाना इकबाल रजवी, कारी अब्दुल गफूर हबीबी, सचिव शेख नजमुल हक, उपाध्यक्ष अनवर हुसैन, कोषाध्यक्ष आदिल खान, गुलाम अहमद अली और सचिव फारूक रजा ने सभी को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। ईद मिलादुन्नबी, पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मदिवस, मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह अल्लाह के आखिरी पैगंबर की शिक्षाओं को याद करने और उनकी सुन्नत पर चलने का अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष पैगंबर साहब के 1500वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में उत्सव को विशेष रूप से मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर इस्लामी स्टीकर बनाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कोण्डानार के शिक्षक संदीप सेन सीसीआरटी केंद्र दमोह में हुए सम्मानित

कोण्डागांव। प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका विषय पर आयोजित 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन सीसीआरटी (सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र) क्षेत्रीय केंद्र दमोह (मध्य प्रदेश) में हुआ। इस अवसर पर कोण्डानार (कोण्डागांव) के शिक्षक संदीप सेन को सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा के जिला मीडिया प्रभारी शिक्षक शैलेन्द्र ठाकुर ने बताया कि, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के तत्वावधान में 26 अगस्त से 4 सितंबर तक यह कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें देश के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 65 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ से 9 शिक्षक प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यशाला में शिक्षकों ने प्रोजेक्ट कार्य, पाठ योजनाएं, वर्कशीट्स और अपने-अपने राज्य की संस्कृति का प्रेजेंटेशन देकर भारत की विविध कला और संस्कृति पर प्रकाश डाला। शिक्षकों का कहना था कि इस कार्यशाला से मिली सीख को वे अपने विद्यालयों में बच्चों तक पहुंचाकर शिक्षा को और अधिक सार्थक और संस्कृति से जोड़ेंगे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को खजुराहो भ्रमण और दमोह के रानी दमयंती पुरातात्विक संग्रहालय का अवलोकन कराया गया।

कोंडागांव के नवाचारी शिक्षक सूरज नेताम राज्य स्तरीय पुरस्कार 2025 के लिए नामांकित

कोण्डागांव। राजभवन रायपुर में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, राज्यपाल महोदय रमेन डेका और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान पुरस्कार 2025 की घोषणा की गई।इस अवसर पर कोंडागांव जिले से शिक्षक सूरज नेताम को राज्य पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। जिले के कोंडागांव विकास खंड अंतर्गत ग्रामीण अंचल के ग्राम बुनागांव के जनपद प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक सूरज नेताम को उनके नवाचारी शिक्षण गतिविधियों और शिक्षा के प्रति समर्पण हेतू राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार सम्मान 2025 हेतु नामांकित किया गया है।ज्ञात हो कि बच्चों को पढ़ाने के अदभुत शिक्षण शैली, रोचक गतिविधियों के चलते जिस स्कूल में जाते हैं वहां का शैक्षिक और भौतिक वातावरण माडल स्कूल के रूप में विकसित हो रहा है। निम्न संसाधनों के बावजूद शिक्षक के स्वयं के व्यय और सामुदायिक सहभागिता से स्कूल परिसर की सजावट जिले में सुंदर और स्वच्छ स्कूलों में शुमार है।स्वयं के व्यय से शिक्षण सामग्री व फार्म भरवाकर अवकाश और अन्य दिनों में शिक्षक के मार्गदर्शन में निःशुल्क प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी ऐसी कि बड़े-बड़े निजी स्कूल को मात दे। अबतक 50 से अधिक बच्चों का उच्च शैक्षणिक संस्थाओं जैसे नवोदय विद्यालय,सैनिक स्कूल, एकलव्य, आदर्श, बुनियादी, प्रयास, जवाहर उत्कर्ष में चयन हुआ है। बच्चो के द्वारा बनाए गणित, विज्ञान और हिन्दी माडल से अध्यापन, टीएलएम विगत कई वर्षों से ब्लाक और जिला स्तरीय प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त कर रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के कारण अबतक 40 से अधिक बच्चों ने प्रतिष्ठित निजी स्कूलों से आकर इस स्कूल में दाखिला करवाया है।

प्रकाश विद्यालय किरन्दुल में मनाया गया शिक्षक दिवस, विद्यार्थियों ने लिए जूनियर बच्चों के क्लास

किरंदुल। किरंदुल स्थित प्रकाश विद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने जूनियर बच्चों की कक्षाएँ ली। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना से हुआ।प्राचार्य दिलीप टी मैथ्यू मैनेजर फादर जिजो थॉमस उप प्राचार्य सिस्टर जीना मदर सिस्टर रेणी, निर्मल कुमार बघेल एवं केजी के बच्चे ने दीप जलाकर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण अपित किया एवं बच्चों ने पुष्प गुच्छ उपहार देकर सभी अध्यापकों को आरती उतार कर सम्मानित किया। इस विशेष अवसर पर प्राचार्य ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बस्तर शिल्प हेंडिक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन

जगदलपुर। बस्तर शिल्प हेंडिक्राफ्ट प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा उद्यमिता विकास को बढ़ावा देने हेतु छह दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला होटल अतिथि में प्रारंभ हुई है, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला में हस्तशिल्प उत्पादकों और युवाओं को व्यवसाय प्रबंधन, विपणन तकनीक, आधुनिक डिज़ाइन, वित्तीय साक्षरता तथा उद्यमिता के नए अवसरों की जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ प्रशिक्षक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सफल उद्यमी बनने की दिशा में मार्गदर्शन करेंगे। इसी कड़ी मे उद्यमिता और निर्यात विकास पर अजीत सुंदर बिलुंग मुख्य महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र जगदलपुर के द्वारा उद्यमिता का परिचय और उद्यमिता की मानसिकता हस्तशिल्प क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों की पहचान कारीगरों हेतु शासकीय योजनाओं एवं सहयोग निर्यात व्यवसाय का आधार वैश्विक बाजार के अवसर निर्यात प्रक्रियाओं में दस्तावेजीकरण निर्यात हेतु पैकेजिंग एवं गुणवत्ता मानक आदि के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बस्तर अंचल के शिल्पकारों और कारीगरों को संगठित कर उनके उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाना है, ताकि स्थानीय कला और शिल्प को नई पहचान मिल सके।समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

किरन्दुल के विभिन्न पंडालों में विराजे भगवान गणेश जी को दी गई विदाई

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल के अलग अलग पंडालों में विराजे गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किया गया। बता दें गणेश जी की विशेष पूजा अर्चना एवं हवन कर गाजे बाजे के साथ सभी श्रदालु नाचते गाते विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी को नगर भ्रमण करवाते हुए गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे लगाते हुए बंगाली कैम्प तालाब में प्रतिमा विसर्जित की गई एवं बड़े प्रतिमाओं को नगरपालिका के हाईड्रा के माध्यम से मूर्ति विसर्जन किया गया। इस दौरान सड़कों के दोनों किनारे काफी संख्या में लोग भगवान गणेश जी के दर्शन के लिए उपस्थित थे एवम पुलिस बल तैनात रहा।

विद्यार्थियों ने किया गुरुओं का सम्मान

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला हांकेर में मनाया गया शिक्षक दिवस

पखांजूर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हांकेर में बड़े धूमधाम से बच्चों के द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों के द्वारा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष किशोर हावलादार के आदेशानुसार किया गया जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर मलार्पण कर धूपबत्ती से आरती वंदना किया गया । तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान एवं डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए अपने-अपने वक्तव्य प्रस्तुत किया। शाला के प्राचार्य गोपाल चंद्र दास एवं शाला के व्याख्याता कृष्णेन्दु आईच, सौरभ सोनी घनश्याम सोरी, संभित लाल दास, बलाई मिस्त्री दिवस पाल आदि ने विद्यार्थियों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवनी के बारे में विस्तार से व्याख्यान दिए शिक्षक दिवस की महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देना नहीं होता बल्कि शिक्षक अपनी जीवन रूपी किताब से विद्यार्थियों के भविष्य को आलोकित करते हैं तथा उन्हें सही मायने में एक सबल चरित्रवान राष्ट्र प्रेमी नागरिक के रूप में जीवन जीना सिखाते हैं अपने शिक्षा दान के बदले में उन्हें विद्यार्थियों से बस इतनी प्रतिफल की आशा रखते हैं कि वह अपने मां-बाप गुरु शिक्षक के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाएं। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गुलदस्ता श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सभी शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में में जुझारू कर्मठ प्राचार्य गोपाल चंद्र दास के द्वारा विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त कर कार्यक्रम को समाप्त किया गया। कार्यक्रम में सभी बच्चों, शिक्षक गणों तथा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीआरपीएफ महानिदेशक ने कोण्डागांव में 188वीं बटालियन का दौरा कर शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

कोण्डागांव। सीआरपीएफ महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने कोण्डागांव का दौरा कर 188वीं बटालियन मुख्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से परिचालनिक ड्यूटियों और रणनीतिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली तथा नक्सल उन्मूलन संबंधी कार्यों की समीक्षा की। महानिदेशक ने जवानों से मुलाकात कर उनके साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने जवानों को उच्च मनोबल बनाये रखने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में शांति स्थापना के लिए उनका योगदान ऐतिहासिक और अनुकरणीय है। इसके बाद महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 स्थित शबरी एम्पोरियम के सामने नव निर्मित भव्य शहीद स्मारक पर पहुंचकर शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह स्मारक 1 जनवरी 2003 से 15 अगस्त 2025 तक गुरिल्ला युद्ध और विभिन्न मुठभेड़ों में शहीद हुए 20 अधिकारियों सहित 460 सीआरपीएफ जवानों की अमर गाथा को समर्पित है। इस अवसर पर विशेष महानिदेशक वितुल कुमार, अपर महानिदेशक मध्य अंचल क्षेत्र अमित कुमार, छत्तीसगढ़ सेक्टर के महानिरीक्षक शालिन, द्वितीय कमान अधिकारी नीतीन्द्र नाथ एवं अभिज्ञान कुमार, उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमांडेंट ओमप्रकाश विश्नोई, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल चन्द्रन सहित बटालियन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। सभी ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम के अंत में अमर शहीद जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सहायिका की भर्ती हेतु दावा आपत्ति 17 सितम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 258 वायरलेस कॉलोनी तारबहार, 225 सोनकर मोहल्ला दयालबंद, 170 नयापारा गणेशनगर, 154 संजय नगर चांटीडीह में सहायिका पद के लिए प्राप्त आवेदनों के जांच उपरांत अनंतिम मूल्यांकन पत्रक तैयार कर जारी कर दिये गये। जिसके विरूद्ध दावा आपत्ति 8 सितंबर से 17 सितम्बर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना बिलासपुर शहरी में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत किये जा सकते है। निर्धारित तिथि व समय उपरांत प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिले में अब तक 989.1 मि.मी. बारिश दर्ज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले में चालू खरीफ मौसम में अब तक 989.1 मि.मी. बारिश दर्ज की गई है। जो कि पिछले 10 वर्ष के औसत बारिश 919.9 मि.मी. से 69.2 मि.मी. अधिक है। अधीक्षक भू अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बारिश 1241 मि.मी. तखतपुर तहसील में और सबसे कम बारिश 758.4 मि.मी. कोटा में रिकार्ड की गई है। इसी प्रकार बिलासपुर तहसील में 1171.5 मि.मी., बिल्हा तहसील में 919.5 मि.मी., मस्तूरी में 887.5 मि.मी.,सीपत में 924.5 मि.मी., बोदरी में 916.9 मि.मी., बेलगहना में 1161 मि.मी., बेलतरा में 927 मि.मी., रतनपुर में 977.9 मि.मी., सकरी में 1099 मि.मी. और पचपेड़ी तहसील में 884.5 मि.मी. बारिश रिकार्ड की गई है। जिले की औसत वार्षिक वर्षा 1202.3 मि.मी. है।

भारतीय डाक विभाग द्वारा 10 से 13 सितंबर तक विशेष दुर्घटना बीमा शिविर

बिलासपुर। जिले के सभी डाकघरों में 10 से 13 सितंबर 2025 तक डाक विभाग (इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक) द्वारा विशेष दुर्घटना बीमा शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से 18 से 65 वर्ष आयु वर्ग के नागरिक मात्र 350 से 750 वार्षिक प्रीमियम पर 5 लाख से लेकर 15 लाख तक का दुर्घटना बीमा कवर प्राप्त कर सकते है। यह पहल आमजन को कम लगात में उच्च सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की जा रही है। भारत सरकार के वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को साकार में इंडिया पोस्ट अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। देश के हर कोने और गांव-गांव तक फैले डाकघरों और डाक सेवाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक बैंकिंग एवं बीमा सेवाएं आसानी से पहुंचे। इस विशेष शिविर से आमजन विशेष रूप से लाभान्वित होंगे और न्यूनतम प्रीमियम पर जीवन की अनिश्चितताओं के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे। बिलासपुर के सभी डाकघरों में यह शिविर लगाया जा रहा है एवं इसके माध्यम से आम जनता को लाभान्वित कर उनके सुरक्षित भविष्य, परिजनों के लिए इस कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

जीवनदीप समिति की बैठक 12 सितम्बर को

बिलासपुर। राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के जीवनदीप समिति की बैठक संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में 12 सितम्बर को दोपहर 12 बजे से राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी के मनोरंजन कक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

राजेश श्रीवास्तव औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष बनाये गये

बिलासपुर। माननीय उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ की अनुशंसा पर राज्य शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार श्रीवास्तव को दिसम्बर, 2024 से रिक्त राज्य औद्योगिक न्यायालय का अध्यक्ष बनाया गया है, जिन्होंने कल अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया है। ज्ञात हो कि श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, वर्ष 1994 में व्यवहार न्यायाधीश के पद पर नियुक्त हुए थे। उन्होंने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में जिला जांजगीर व दुर्ग में लगभग पौने छः वर्षों तक कार्य किया और मई 2022 से अपनी सेवानिवृत्ति दिनांक 30.06.2024 तक राज्यपाल सचिवालय में माननीय राज्यपाल के विधिक सलाहकार के पद पर कार्य किया था। ज्ञात हो कि वह राज्य औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष को छतीसगढ़ लेबर ज्यूडिशियल सर्विस रूल्स 2015 के नियम 10 (3) के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को प्राप्त होने वाला वेतन व सुविधाएँ प्राप्त होती हैं।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता का किया समापन

बस्तर के बाद अब सरगुजा ओलंपिक भी शुरू होगा:साव

- खेल में कोई नहीं हारता, या तो जीतता है या कुछ सीखता है : उप मुख्यमंत्री
- उप मुख्यमंत्री श्री साव ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बहतराई स्टेडियम में छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 22 वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को संघ की ओर से पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक सुशांत शुक्ला ने की। विशेष अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती पूजा विधानी उपस्थित थीं। गौरतलब है कि पूरे राज्य से आए लगभग डेढ़ हजार खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों ने तीन दिनी प्रतियोगिता में खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 सितम्बर तक छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ और जिला एथलेटिक्स संघ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बहतराई में किया गया। इसमें एथलेटिक्स की 17 खेलों में 138 विधाओं में प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई। बालक और बालिका दोनों वर्ग के खिलाड़ी इसमें शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने प्रतियोगिता में हिस्सेदारी के लिए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सबने खेल भावना के अनुरूप बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। वास्तव में खेल में कोई हारता ही नहीं है। या तो वह जीतता है या आगे के लिए कुछ सीखता तो जरूर है। खेलों में भागीदारी बड़ी बात होती है।

श्री साव ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने से प्रतिभा में निखार आता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास और उन्हें बुनियादी सुविधाएं देने के लिए वचनबद्ध है। हमने खेलों में बंद पड़े राज्य अलंकरण सम्मान फिर से शुरू किया है। बस्तर ओलंपिक जारी रहेगा। आगे अब सरगुजा ओलंपिक शुरू करने की भी योजना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सोच के अनुरूप सांसद खेल महोत्सव भी शुरू किया गया है। इससे खिलाड़ियों में नया उत्साह का संचार हुआ है। उन्होंने खेल प्रतियोगिता कराने के लिए आयोजन समिति को बधाई दी। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि खेल मंत्री का प्रभार मिलने के बाद उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव का खेल संबंधी यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है। उन्होंने बिलासपुर के संपूर्ण खेल बिरादरी की ओर से उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण जोश के साथ खिलाड़ियों ने प्रदर्शन किया है। ये खिलाड़ी आगे चलकर बेहतरीन प्रदर्शन के जरिए छत्तीसगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगे। कलेक्टर संजय अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम अमितकुमार, ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी अजीत लकड़ा, एथलेटिक्स संघ के महासचिव अमरनाथ सिंह, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, रामदेव कुमावत, जिला खेल अधिकारी श्री एक्का सहित एथलेटिक्स संघ के पदाधिकारी और खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हिंदी दिवस पर रतनपुर में दो दिवसीय प्रतिभा सम्मान समारोह

रतनपुर। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में रतनपुर प्रेस क्लब द्वारा 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन रतनपुर के भागवत मंच, महामाया मंदिर परिसर में किया जा रहा है। इस अवसर पर नगर की शिक्षा, कला, संस्कृति, खेल और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों व बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 13 सितंबर कार्यक्रम का शुभारंभ 13 सितंबर को होगा। इस दिन बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में महामाया मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष सिंह, प्रबंध ट्रस्टी अरुण शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष तिरिथ

यादव, जिला शिक्षा अधिकारी विजय तांडे सहित नगर के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समापन समारोह ङ्क 14 सितंबर समापन दिवस पर छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में नगरपालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष मोहित जायसवाल, कांग्रेस नेता नीरज जायसवाल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहेंगे। इस दिन कार्यक्रम का आकर्षण लोक कला मंच की प्रस्तुति होगी, जिसमें कलाकार आरु साहू विशेष प्रस्तुति देंगे। रतनपुर प्रेस क्लब ने नगरवासियों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में सम्मिलित होकर हिंदी दिवस को गौरवपूर्ण बनाने में अपनी सहभागिता निभाएं।

नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने गोपाल मोदी का किया आत्मीय स्वागत....

- जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी का पुष्पगुच्छ और मिठाई खिलाकर गर्मजोशी से किया स्वागत

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के उर्जावान जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी द्वारा जिला कार्यकारिणी की घोषणा होते ही जिलेभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों सहित सभी कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर और जोरदार नारों के बीच श्री गोपाल मोदी का भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। पुष्पगुच्छ भेंट कर और मिठाई खिलाकर कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। सुबह से लेकर देर शाम तक बधाई देने का सिलसिला जारी रहा और जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के पास कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

हर वर्ग और समुदाय का ख्याल-गोपाल मोदी

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी ने कहा कि-जिला कार्यकारिणी का गठन प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के अनुमोदन पश्चात किया गया है। इसमें चारों विधानसभा क्षेत्रों से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। हर वर्ग एवं समुदाय के कार्यकर्ताओं का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही युवा कार्यकर्ताओं को भी स्थान दिया गया है, जिनका अनुभव और समर्पण पार्टी संगठन को नई ऊँचाई तक ले जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि सभी पदाधिकारी मिलकर भाजपा संगठन को कोरबा जिले में और सशक्त बनाएंगे तथा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प

सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष श्री गोपाल मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को और मजबूती प्रदान करेंगे। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को हर घर तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

एसएसपी के निर्देश पर होटल/ढाबों में की जा रही चेकिंग

जशपुर। चोरी जैसे अपराधों पर रोक लगाने व संदिग्धों की जांच हेतु जशपुर पुलिस कर रही है जिले के सभी थाना क्षेत्र में होटल/ढाबों चेकिंग एसएसपी के निर्देश पर की जा रही है कार्यवाही। संदिग्ध मुसाफिरों की ली जा रही है जानकारी, जिले में आमद के कारण की, भी पुलिस कर रही है जांच, संदिग्ध पाए जाने पर पुलिस करेगी कठोर कानूनी कार्यवाही। होटल/लॉज मालिकों को दिए जा रहे निर्देश, कि वैध आईडी प्रूफ के बिना न दे संदिग्धों को अपने होटल/ लॉज में रुकने। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर, तत्काल करें पुलिस को सूचित। होटल/ढाबों में शराब व अन्य मादक पदार्थों का सेवन कराने या करते पाए जाने पर पुलिस करेगी कार्यवाही। गौरतलब है कि जशपुर पुलिस के द्वारा अपराधों की रोकथाम व शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु, आज दिनांक को विशेष अभियान के तहत,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जशपुर अनिल कुमार सोनी के मार्ग दर्शन में जिले के सभी थाना क्षेत्र के होटल, ढाबों लॉज, धर्मशाला, रैनबसेरा, फेरी वाले, डेरे वाले, व अन्य सार्वजनिक स्थानों में, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही है। उक्त चेकिंग का मुख्य उद्देश्य यह है कि, अधिकांशत: चोरी जैसे घटनाओं में, अंतर जिला व अन्तर राज्यीय गिरोह के शामिल होने की आशंका रहती है।

बालको ने शिक्षकों को सम्मानित कर मनाया गया शिक्षक दिवस....

कोरबा। शिक्षक वे मार्गदर्शक होते हैं जो समाज का भविष्य गढ़ते हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने उनके समर्पण और योगदान को सराहना की। बालको प्रबंधन ने टाउनशिप के विभिन्न विद्यालयों का दौरा कर शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद दिया। 'गुरु बिन ज्ञान न उपजे, गुरु बिन मिले न मोक्ष' भाव को जीवंत करते हुए बालको ने 400 से अधिक शिक्षकों का सम्मानित किया। इस अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, बालको टाउनशिप स्कूल (बीटीएस), डीएवी, मिनीमाता, शासकीय कन्या विद्यालय, परसाभाठा, एमजीएम, बालसदन, शिक्षानिकेतन, चंद्रोदय, जीएस सेक्टर-5, स्वामी आत्मानंद तथा आदर्श मंदिर विद्यालयों का दौरा किया गया। प्रबंधन द्वारा शिक्षकों से संवाद किया गया और उनके अथक परिश्रम को सराहा। इस दौरान शिक्षकों को एक छोटा-सा उपहार भेंट कर उनके समर्पण और

मेहनत को प्रणाम किया गया। शिक्षकों ने हर्ष और आत्मीयता से आभार को स्वीकार किया। यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि कृतज्ञता और संबंधों का पल था, जिसने बालको और स्थानीय शैक्षिक समुदाय के बीच रिश्तों को और मजबूत किया। बालको की यह सार्थक पहल वास्तव में शिक्षक दिवस की भावना को प्रकट करती है और उन गुरुओं को सम्मान देती है जो अपना जीवन ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में समर्पित करते हैं। बालको की यह पहल केवल शिक्षकों के प्रति सम्मान ही नहीं, बल्कि समाज के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका को मान्यता देने का भी प्रतीक है। कंपनी ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वह औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक और शैक्षिक विकास में भी निरंतर योगदान दे रही है।

प्रशासन के निर्देशों का उल्लघन कर तीव्र ध्वनी वाले डीजे संचालकों पर कार्यवाही, 3 पीकअप व डीजे सेट जब्त...

बिलासपुर। उच्च न्यायालय के गाइड लाइन एवं प्रशासन के निर्देशों का उल्लघन कर रात्रि में तीव्र ध्वनी से डीजे बजाने वाले 3 पीकप वाहन डीजे सेट अप के साथ जप्त। डीजे संचालको के विरूद्ध धारा 15 कोलाहल अधिनियम 1985 के तहत की गयी कार्यवाही। नाम आरोपी डी जे संचालक 01. उमेश कुमार धुरी पिता लच्छीराम धुरी उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम नवागांव थाना जरहागांव जिला मुंगेली 02. बसंत साहू पिता बलदेव साहू उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम चिखलदहा थाना तखतपुर जिला बिलासपुर 03. दीपक ध्रुव पिता रूप सिंह ध्रवु उम्र 35 साल निवासी ग्राम पाल चौकी जूनापारा तखतपुर। जप्त- 01. टाटा वाहन मेटाडोर वाहन क्रमाक ष्ट्त 10 क्क्क 8973 मोडीफाईड वाहन मे बंधा हुआ 08 नग बेस, 04 नग एल ए डी लाईट 04 नग टाप 02 नग जनरेटर 03 नग जायफर मशीन , 01 नग क्रास ओनर 02 स्टेपलाईजर, 02. पीकप वाहन क्रमांक ष्ट्त 10॥ 8170 मोडी फाईड वाहन मे बंधा हुआ 08 नग बेस बड़ा बाक्स, 04 नग टॉप बाक्स, 02 नग ब्लेंडर लाईट, 04 नग एम्प्लीफायर, 01 नग माईक बीना

वायर, 01 नग मिक्सर, 02 नग कॉस ओवर 03. मेटाडोर वाहन क्रमांक ष्ट्त 10ङ्क 7161 मोडीफाई वाहन मे लगा हुआ 08 बडा बाक्स, 04 टाप बाक्स,.04 की आर.एक्स. बाक्स 06 एम्पली, 01 मिक्सर, 06 सारफी लाईट.06 एम.आई.बार लाईट। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि सूचना मिली की रात्रि में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए घटना स्थल ग्राम पचबहरा केकती,व दैजा पर आम जगह में डीजे संचालक के द्वारा पिकअप वाहन में डीजे का सेट लगा कर तेज ध्वनी पर डीजे बजा रहा है जिसे अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न हो रही थी जिसे आम नागरिकों को परेशानी हो रही थी पूर्व में डीजे संचालकों को मीटिंग के दौरान माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने हेतु हिदायत दी गई थी उसके बावजूद अनावेदक 01. दीपक ध्रुव 02. उमेश कुमार धुरी 03. बसंत साहू द्वारा निर्देशों का पालन न करते हुए नियमो का उल्लंघन कर डीजे बजाया जा रहा था मौके पर डीजे बजाने अनुमति पत्रक नही होना, बताया गया एवं अनावेदक द्वारा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन करना पाया गया जिससे अनावेदक के विरूद्ध छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम 1985 के नियम धारा 15 का उल्लघन करना पाया गया एवं अनावेदको द्वारा वाहन को मोडी फाईड कर डीजे साउंड सिस्टम को चलाते हुए पाये जाने से वाहन को जप्त कर धारा 15 छत्तीसगढ़ कोलाहल अधिनियम 1985 के तहत इस्तगाशा तैयार कर न्यायालय पेश किया जाता है।

सुअर का शिकार करने के मामले में आरोपी को समझाईश देकर छोड़ा

कोरबा। ग्राम खरहरकूड़ा जंगल, सोहागपुर फीडर क्षेत्र में शनिवार को एक बड़ा खुलासा हुआ, ज दो व्यक्तियों को करंट प्रभावित तार बिछाकर जंगली सूअर मारने के आरोप में ग्रामीणों और विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पकड़ लिया। लेकिन सबसे चैंकाने वाली बात यह रही कि मौके पर मौजूद विभागीय जेई निशा कंवर व उनके अधीनस्थ कर्मचारियों ने ग्रामीणों की आपत्तियों को दरकिनार कर आरोपियों को सिर्फसमझाइश देकर छोड़ दिया।

ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करंट बिछाकर शिकार करने वाले दोनों आरोपी पास के पहाडगांव और मुकुंदपुर से करीब 4 से 5 किलोमीटर दूर से आए थे। इनमें से एक आरोपी का नाम हेमंत कुमार, निवासी मुकुंदपुर बताया गया है, जबकि दूसरा आरोपी नंमु सिंह सारथी, निवासी पहाडगांव है।ग्रामीणों का आरोप, जानबूझकर दबाया मामला ग्रामीणों ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से करंट बिछाकर शिकार कर रहा है। इसकी वजह से जानवरों और इंसानों दोनों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। हाल ही में करंट की चपेट में आने से आधा दर्जन से ज्यादा मवेशियों की मौत भी हो चुकी है। बावजूद इसके विभागीय अधिकारी गंभीर अपराध को हल्के में लेकर आरोपियों को पुलिस के हवाले करने के बजाय छोडकर चले गए।

श्राद्ध पक्ष में पितरों को जल अर्पण का विशेष महत्व

सनातन धर्म में वर्ष के 16 दिन पूर्वजों को समर्पित होते हैं, इन्हें हम पितृ पक्ष, श्राद्ध पक्ष या महालय भी कहते हैं। ज्योतिष शास्त्र में इसे कनागत भी कहा जाता है, क्योंकि इस समय सूर्य कन्या राशि में संचार करते हैं। इस वर्ष पितृ पक्ष 15 दिन का होगा। पंचांग के अनुसार आश्विन मास के कृष्ण पक्ष को पितृपक्ष माना जाता है, पर इसका आरम्भ भाद्रपद पूर्णिमा से ही होता है। इस वर्ष पितृ पक्ष सात सितंबर यानी रविवार से शुरू होकर 21 सितंबर सर्वपितृ अमावस्या तक रहेगा। सात सितंबर को पूर्णिमा के श्राद्ध पर चंद्रग्रहण भी है। ग्रहण का सूतक दोपहर 12:57 से लगेगा, इसलिए इस दिन का श्राद्ध दोपहर से पहले ही कर लेना आवश्यक है।

पितरों को करें जल अर्पण- पंडितों के अनुसार, प्रतिदिन स्नान के बाद दक्षिण मुख होकर पितरों को जल अर्पण करना चाहिए। जल का तर्पण अत्यंत फलदायी माना गया है। श्रद्धापूर्वक किए गए श्राद्ध से पितृ प्रसन्न होकर वंशजों को सुख-समृद्धि और मंगल का आशीर्वाद देते हैं।

सावधानियां-

पितृपक्ष में मांस-मदिरा, प्याज-लहसुन का प्रयोग वर्जित है।

2. किसी भी शुभ कार्य (जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि) का आयोजन न करें।

3. चतुर्थी और पंचमी वाले श्राद्ध में भी यही विधि अपनाई जाती है, बस उस दिन जिनका श्राद्ध है उनके नाम/गोत्र के साथ तर्पण और पिंडदान किया जाता है। **पूजन विधि:** सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर श्वेत वस्त्र धारण करें और घर को गंगाजल से शुद्ध करें। अब तांबे या पीतल के पात्र में जल डालें। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके ऊं पितृदेवाय नमः कहते हुए तर्पण करें। पितृ मंत्र का जाप करें जैसे- ऊं पितृभ्य: स्वधा नमः। पितरों से क्षमा प्रार्थना करें।

दाल-बाटी बनाते समय

रखें इन बातों का ध्यान

जब भी राजस्थान का नाम जहन में आता है तो वहां के कल्चर, रहन-सहन, खान पान और रेगिस्तान की तस्वीरें नजरों के सामने घूमने लगती हैं। राजस्थान अपने खान-पान की वजह से काफी चर्चा में रहता है। अगर वहां कि खास डिश की बात करें तो दाल बाटी चूरमा को हर कोई पसंद करता है। वैसे तो राजस्थान के हर घर में दाल बाटी चूरमा बनाया जाता है, पर अब इसका क्रेज देश भर के साथ-साथ विदेशों में देखा जाता है। अक्सर जब हम बाटी बनाते हैं तो या तो ये कच्ची रह जाती है या फिर इतनी टाइट हो जाती है, जिसे खाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इसी परेशानी का सामना करती हैं, तो इसका आज हम आपको इसका हल बताएंगे। दरअसल, आज हम आपको बाटी बनाने के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप बिल्कुल राजस्थान के जैसी बाटी बना पाएंगी।

आटे का रखें ध्यान

बाटी बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि इसका आटा नर्म ना हो। बाटी का आटा जितना टाइट होगा, आपकी बाटी उतनी ही अच्छी बनेगी। ऐसा करने से बाटी काफी कुरकुरी बनती है। आटा गूंथते समय ना करें घी की कमी अक्सर लोगों को ऐसा कहते सुना जाता है कि वो ज्यादा घी नहीं इस्तेमाल करते। पर, अगर आप बाटी के लिए आटा गूंथ रहीं हैं तो उसमें घी की मात्रा का अच्छे से ध्यान रखें। घी की वजह से ही ये अंदर से सॉफ्ट बनेगी।

कुछ देर आटे को ऐसे ही रखें

बाटी बनाने के लिए जब आप आटा गूंथ लें तो इसको कम से कम तीस मिनट ऐसे ही रख दें। तब तक आप दाल की तैयारी कर सकती हैं।

घी में जरूर करें डिप

बाटी का स्वाद घी की वजह से ही काफी बढ़ जाता है। जब ये बन जाए तो इसे घी में जरूर डिप करें। अगर आप गर्मागर्म बाटी को घी में डुबो देंगे तो स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

ज्यादा खाने से पेट हो रहा है भारी

अगर किसी पार्टी या फंक्शन में अपनी फेवरेट डिश को देखते ही आपका खुद पर कंट्रोल नहीं रहता है और आप उस डिश का लुत्फ उठाने के लिए उसे पेट भरने तक खाते रहते हैं, या यूं कहें कि भूख से भी ज्यादा खा लेते हैं। जिसका अहसास आपको अगली सुबह एसिडिटी और गैस की परेशानी के साथ होता है तो ये खबर खास आपके लिए ही है। अगर आपके साथ भी यह समस्या अक्सर होती रहती है तो पेट के भारीपन और गैस की समस्या को दूर करने के लिए इन हर्बल डिटॉक्स ड्रिंक की मदद लें। आइए जानते हैं कैसे।

तुलसी टी

तुलसी टी मेटाबॉलिज्म अच्छा बनाए रखने में मदद करती है। यह एक आयुर्वेदिक प्राकृतिक इम्यूनिटी बूस्टर होने के साथ नेचुरल डिटॉक्सिफायर के रूप में भी काम करती हैं। तुलसी जैसी स्ट्रॉग हर्ब शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है। जिससे शरीर का भारीपन दूर होता है और बॉडी हल्का महसूस करती है। इस चाय को बनाने के लिए सूखे और ताजे तुलसी के पत्ते दोनों का ही उपयोग किया जा सकता है।

अजवाइन टी

किचन में मौजूद अजवायन को अंग्रेजी में कैरम सीड्स के नाम से भी जाना जाता है। यह एक शक्तिशाली डिटॉक्सिफायर के रूप में काम करता है। अजवाइन के बीज तनाव को कम करके गैस और अपच से तुरंत राहत दिला सकते है।

हनी लेमन-जिंजर टी

शहद और नींबू का सेवन खाली पेट करने से लिपिड प्रोफाइल को ठीक करने में मदद मिल सकती है। जबकि अदरक का अर्क खाली पेट लेने से गैस की समस्या से राहत मिल सकती है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि नींबू अदरक की चाय खाली पेट पीने से गैस और अपच से राहत दिला सकती है।

अदरक

को लंबे समय तक स्टोर करने के तरीके

खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ चाय में भी लोग अदरक का इस्तेमाल करते हैं। अक्सर घर में हम अदरक को स्टोर करके रखते है, लेकिन कुछ समय बाद ये खराब होने लगते हैं। अगर आप भी अदरक के बढ़ते दामों के कारण इसे घर पर स्टोर करने की सोच रहे हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं। जिन्हें आप अपनाकर अदरक को लंबे समय तक फ्रेश रख सकते हैं।

जब भी आप अदरक खरीदते हैं तो हमेशा ताजा खरीदें। इस बात का ध्यान रहें कि अदरक मुर्झाया हुआ न हों। साथ ही यह भी देखें कि अदरक गीला न हो। ताजा अदरक खरीदेंगे तो ये काफी समय तक खराब नहीं होगा।

अदरक को लंबे समय तक स्टोर करना चाहते हैं, तो उसे बिना छीले किसी एयर टाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रखें। इससे अदरक ज्यादा दिनों तक चलेगा।

ताजा अदरक को फ्रिज में रखा जा सकता है, जिससे ये काफी समय तक खराब नहीं होता। तो उसे बिना छीले किसी एयर टाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रखें। ध्यान रहे कि आप जिप लॉक बैग से हवा पूरी तरह से निकाल कर ही फ्रिज में रखें। इसके अलावा आप अदरक को सुखा करके भी स्टोर कर सकते हैं। अदरक को सुखाने के लिए आप ओवन या एयर फ्रायर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं और इसका पाउडर बना कर मसाले की तरह इस्तेमाल किया जाता है। वहीं अदरक को आप छीलकर और काटकर बेकिंग शीट पर रखें और टुकड़ों के सख्त होने पर फ्रीज में रख दें। इस अदरक को आप एक एयरटाइट कंटेनर में भी रख सकते हैं। अगर आप अदरक को कुछ दिनों के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो अदरक को बिना छीले पेपर बैग या पेपर टॉवेल में लपेटकर रख दें। अदरक को अच्छी तरह से धो लें और इसे छीलकर कांच के जार में डालें। अब इसमें नींबू का रस मिलाकर फ्रिज में रख दें, इससे अदरक जल्दी खराब नहीं होगा।

किचन की सफाई के साथ-साथ नलों की सफाई करनी भी जरूरी है। यदि रोजाना नल साफ न किए जाएं तो इन पर गंदे दाग जमने लगते हैं। यह दाग ऐसे होते हैं जो साफ करने पर भी नहीं जाते हैं। साबुन से रगड़-रगड़कर साफ करने पर यह कुछ देर की लिए गायब जरूर हो जाते हैं लेकिन साफ नहीं होते। ऐसे में आप नल के ऊपर जमे जिद्दी दागों की सफाई करने के लिए कुछ आसान से हैक्स की मदद ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

शीशे के जैसे चमचमाते रहेंगे रसोई के नल

पहले साफ करें नल

नल पर कोई भी तरीका इस्तेमाल करने से पहले इसे किसी सूखे कपड़े से अच्छी तरह साफ कर लें। इस तरह इस पर लगी कोई भी चीज आसानी से साफ हो जाएगी।

बेकिंग सोडा और नींबू

साफ करने के बाद नल के ऊपर आप बेकिंग सोडा में नींबू मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। पेस्ट के साथ नल रगड़ें। 5-10 मिनट बाद नल पानी से धो लें। इस पर जमे जिद्दी दाग आसानी से निकल जाएंगे।

विनेगर

दाग हटाने के लिए आप विनेगर या फिर नींबू का रस इस्तेमाल कर सकते हैं। नल पर नींबू के रस और विनेगर का स्प्रे करें। 15-20 मिनट के लिए मिश्रण को ऐसे ही रहने दें। तय समय के बाद एक ब्रश की मदद से नल को साफ कर लें। दाग साफ हो जाएंगे।

टोमेटो सॉस

टोमेटा सॉस का इस्तेमाल करके भी नल के जिद्दी दाग छुड़वा सकते हैं। नल के ऊपर टोमेटो सॉस लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद टूथ ब्रश की मदद से इसे साफ कर लें। धोने के बाद सूखे कपड़े इन्हें साफ कर दें।

तेल लगाएं

जैसे ही नल से सारे दाग साफ हो जाएं तो आप उस पर तेल लगा दें। तेल लगाने के बाद अगर नल पर पानी पड़ता भी हो तो भी यह गंदा नहीं हो पाएगा।

तनाव और स्ट्रेस से राहत दिलाएगा भ्रामरी प्राणायाम

प्राणायाम सांसों की प्रैक्टिस होती है। जिसकी मदद से काफी सारी बीमारियों में राहत मिल सकती है। कपालभाति और अनुलोम-विलोम की तरह भ्रामरी प्राणायम होता है। जो कि सांस लेने के प्रैक्टिस है। भ्रामरी प्राणायाम को रोजाना करने से बॉडी को काफी सारे फायदे मिलते हैं। भ्रामरी प्राणायाम का नाम खास तरह ही मधुमक्खी के साउंड के नाम पर रखा गया है। सबसे खास बात कि भ्रामरी प्राणायाम की प्रैक्टिस कहीं पर भी की जा सकती है। फिर चाहे आप ऑफिस में बैठे हो या फिर घर में काम कर रहे हैं। तो चलिए जानें क्या है भ्रामरी प्राणायाम को करने के फायदे और भ्रामरी प्राणायाम को करने के स्टेप। भ्रामरी प्राणायाम ब्रीदिंग प्रैक्टिस है। जिसे करने से फ्रस्टेशन, एंजायटी, गुस्सा को दूर करने में मदद करता है। भ्रामरी प्राणायाम मधुमक्खी के साउंड के नाम पर रखा गया है। मधुमक्खी का ये साउंड में दिमाग को शांत करने वाले इफेक्ट होते हैं। इसीलिए इस प्राणायाम में मधुमक्खी के साउंड को निकाला जाता है। जिससे दिमाग और फोरहेड के बीच की नर्व्स को शांत होने में मदद मिलती है।

भ्रामरी प्राणायाम को करने के फायदे

- भ्रामरी प्राणायाम को करने से चिंता, गुस्सा और एंजायटी से फौरन राहत मिलती है।
- जो लोग हाइपरटेंशन से परेशान रहते हैं। ये प्राणायाम उनके दिमाग को शांत करने में मदद करती है।
- माइग्रेन जैसी समस्या को भी कम करने में मदद मिलती है।
- अगर चिंता की वजह से सिर में दर्द हो रहा है तो फौरन इस प्राणायाम को करें। ये सिर दर्द से राहत देगी।
- भ्रामरी प्राणायाम याददाश्त बढ़ाने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करती है।
- हाई ब्लड प्रेशर को भ्रामरी प्राणायाम की मदद से कम किया जा सकता है।
- मेडिटेशन करने में दिक्कत होती है तो सबसे पहले भ्रामरी प्राणायाम करें।

भ्रामरी प्राणायाम करने का तरीका

- किसी शांत, खुले, हवादार वातावरण में बैठ जाएं।
- अब आंखें बंद कर लें।
- दोनों हाथों की पहली उंगली को कानों और गाल के बीच मौजूद कार्टिलेज यानी उभरी हुई हड्डियों पर रखें।
- उंगलियों से हल्का सा दबाते हुए मुंह से आवाज निकालें।
- उंगलियों को बार-बार दबाएं और हटाएं। साथ ही मुंह से मधुमक्खी जैसा साउंड निकालते रहें।
- ये साउंड बंद मुंह से निकलेगा।
- दस-बीस सेंकड करने के बाद शांत हो जाएं और सामान्य अवस्था में लौट आएं।

बच्चे को हेल्दी और टेस्टी खाना खिलाएं

बचपन से ही खिलाएं

6 महीने के बाद से बच्चे को अनाज खाने की इजाजत मिल जाती है। ऐसे में जरूरी है कि पैरेंट्स बच्चे को हर चीज का टेस्ट कराएं। वैराइटी फलों के साथ ही वैराइटी सब्जियां और खाने को ट्राई करवाएं। छोटे बच्चे नई चीजों को देखकर मुंह में डालते हैं और टेस्ट लेते हैं। ऐसे में बचपन से ही उन्हें टेस्ट का ज्ञान हो जाएगा।

बच्चे करते हैं नकल

अगर पैरेंट्स ही हेल्दीऔर न्यूट्रिशयस फूड्स खाने से बचेंगे तो बच्चे को कैसे खिलाएंगे। इसलिए जरूरी है कि अपने बच्चे के लिए रोल मॉडल बनें। जो भी खाना आप खाएंगे बच्चे उसे खाने की जिद करेंगे। इसलिए बच्चों के साथ बैठकर ग्रेन, फ्रूट्स, वेजिटेबल्स खाएं। जिससे बच्चे आपकी नकल उतारें।

बच्चों को कराएं ग्रासरी शॉपिंग

बच्चों के साथ लेकर ग्रासरी शॉपिंग के लिए जरूर जाएं। जिससे बच्चे रंग-बिरंगी सब्जी और फ्रूट्स को देखकर अट्रैक्ट। अपने मन से उन्हें फ्रूट्स या सब्जी उठाने को बोलें जो उन्हें पसंद हो। इससे वो फूड्स की तरफ कनेक्ट होंगे।

घर में ना खिलाएं जंकफूड

बच्चों को हाइजीन के चक्कर में अक्सर मांए घर में ही जंकफूड बनाकर खिलाने लगती है। ये सबसे खराब तरीका है बच्चों की ईटिंग हैबिट बिगाड़ने का। इससे बच्चों को पता चल जाता है कि जंकफूड्स वगैरस घर में भी आसानी से मिल सकते हैं और वो हेल्दी चीजों को बिल्कुल नहीं खाते। उन्हें घर में जंकफूड बिल्कुल ना दें और केवल हेल्दी फूड्स के ही ऑप्शन दें। जिससे वो भूख लगने पर कुछ ना कुछ जरूर खाएगा।

खाने का टाइम फिक्स करें

बच्चे के नाश्ते, लंच, डिनर, स्नैक्स का टाइम फिक्स करके रखें। जिससे उन्हे पर्याप्त मात्रा में और सही तरीके का भोजन खिलाया जा सके।

धैर्य रखें

बच्चों को खाना खिलाते वक्त धैर्य रखें। धीरे-धीरे ही सही पर वो हेल्दी चीजों को खाना शुरू कर देंगे। बस थोड़ा धैर्य रखें क्योंकि बच्चे एक बार में ही सारी चीजों को नहीं खाने लगेंगे।

क्रीमी मशरूम की सब्जी

सामग्री :

200 ग्राम मशरूम, तेल, बारीक कटा लहसुन 8-10 कली, काली मिर्च कुटी हुई, फ्रेश क्रीम एक कप बटर, प्याज बारीक कटा हुआ, जायफल का पाउड एक चुटकी, बारीक कटी धनिया, गरम मसाला

बनाने की विधि

-सबसे पहले मशरूम को धोकर काट लें।

-अब किसी पैन में तेल डालकर गर्म करें।

-जब तेल गर्म हो जाए तो उसमे बटर डाल दें।

-8-10 कली लहसुन की कलियों को बारीक काट लें।

-बटर और तेल का मिक्सचर जब गर्म हो जाए तो लहसुन डालकर सुनहरा कर लें।

-अब तीन से चार प्याज को बारीक काट लें। और गर्म तेल में डालें।

-जब प्याज अच्छी तरह से सुनहरा हो जाए तो इसमे मशरूम डालकर फ्राई कर लीजिए।

-साथ में कुटी काली मिर्च, गरम मसाला डालकर मिक्स करें।

-नमक स्वादानुसार डालें और साथ में फ्रेश क्रीम डाल दें।

-जायफल घिस कर एक चुटकी डालें। बस अच्छी तरह से मिक्स करें और ऊपर से बारीक कटी धनिया से सजाएं।

-रोटी, नान या फिर लच्छे पराठे के साथ इसे सर्व करें।

ज्यादातर लोग खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए अचार डालते है। लेकिन कभी-कभी अचार डालने के कुछ समय बाद इसमें फंगस लग जाती है। जिससे उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको कुछ उपायों के बारे में बताएंगे जिन्हें अपनाकर आप अचार को फंगस लगने से बचा सकते हैं। तो चलिए जानते है उनके बारे में।

अचार में फंगस से बचाने के तरीके

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप अचार डाल रहे है तो इस बात का ध्यान रखें कि अचार में तेल ज्यादा मात्रा में डालें। क्योंकि अचार में तेल पर्याप्त मात्रा में न होने के कारण यह जल्दी खराब हो जाता है। इतना ही नहीं अचार बनाते समय इस्तेमाल किए जाने वाले बर्तन अगर साफ न हो तो इसमें फफूंद लगने की संभावना बनी रहती है। अचार में इस्तेमाल होने वाले फलों और सब्जियों के दागदार होने पर भी फंगस लग सकता है।

अचार भरने में बरतें सावधानी

अचार को लंबे समय तक चलाने के लिए इसे चीनी मिट्टी या कांच के बर्तन में डालें। स्टील के बर्तन और प्लास्टिक के डिब्बों में अचार स्टोरेज करने से बचें। वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक के जार में अचार रखना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता।

सामग्री की मात्रा का रखें ध्यान

अचार में डाले जाने वाले मसालों की मात्रा सही होनी चाहिए। अचार के मसालों में नमी रह जाने से भी अचार जल्दी खराब हो सकता है। इसीलिए अचार बनाने से मसालों को पहले थोड़ा भून लें या धूप में रखकर नमी निकाल दें। इसी तरह मीठे अचार के लिए चाश्नी सही बनानी चाहिए। नमक की मात्रा सही ना होने पर भी अचार जल्दी खराब होने का खतरा रहता है।

ये है अचार रखने का सही तरीका

जब अचार बन जाए तो 3 दिन के लिए उसे एक साफ मलमल के कपड़े से ढककर धूप में रखें।

प्लॉट खरीदते समय वास्तु के नियमों का रखें खास ध्यान

वास्तु के अनुसार, घर बनवाने के लिए प्लॉट करते समय वास्तु के नियमों का जरूर पालन करना चाहिए। इन नियमों को नजरअंदाज करने पर घर की नेगेटिविटी बढ़ती है और परिजनों को जीवन में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसलिए प्लॉट खरीदते समय वास्तु दोषों से बचने के लिए कुछ खास बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इससे घर में खुशहाली आएगी और सुख-समृद्धि में बढ़ोत्तरी होगी। चलिए जानते हैं प्लॉट खरीदते समय वास्तु के किन नियमों का पालन करना चाहिए?

जमीन का आकार: वास्तु के अनुसार, वर्गाकार या आयताकार जमीन पर मकान बनवाना बेहद शुभ होता है। यह घर के सदस्यों के सुख-सौभाग्य में वृद्धि करता है। वृत्ताकार आकार की भूमि पर घर बनाना शुभ नहीं होता है। व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए वृत्ताकार भूमि का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसी तरह से त्रिभुजाकार जमीन पर घर बनाने से धन हानि होता है और व्यक्तियों का जीवन बाधाओं से घिर जाता है।

दिशा को ना करें अनदेखा: वास्तु शास्त्र के अनुसार, जमीन खरीदते समय इस बात पर ध्यान दें कि मकान का मुख्यद्वार उत्तर या पूर्व दिशा में हो। इसके अलावा ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व दिशा की ओर बना मकान भी बेहद शुभ माना जाता है। साथ मकान का मुख्यद्वार दक्षिण दिशा में ना हो।

ऐसी जगह ना लें जमीन: मकान बनाने के लिए भूमि खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि वहां कभी भी श्मशान ना रहा हो। साथ ही अस्पताल और पुलिस थाने के पास जमीन लेने से बचना चाहिए। ऐसा करने से घर में सुख-शांति बाधित रहती है।

प्लॉट की मिट्टी: वास्तु के अनुसार, लाल, भूरी और पीली मिट्टी पर मकान बनवाना शुभ होता है। इस मिट्टी में घर पर पेड़-पौधे आसानी से लग जाते हैं।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया विसर्जन स्थल का निरीक्षण सुरक्षा व व्यवस्थाओं का लिया जायजा

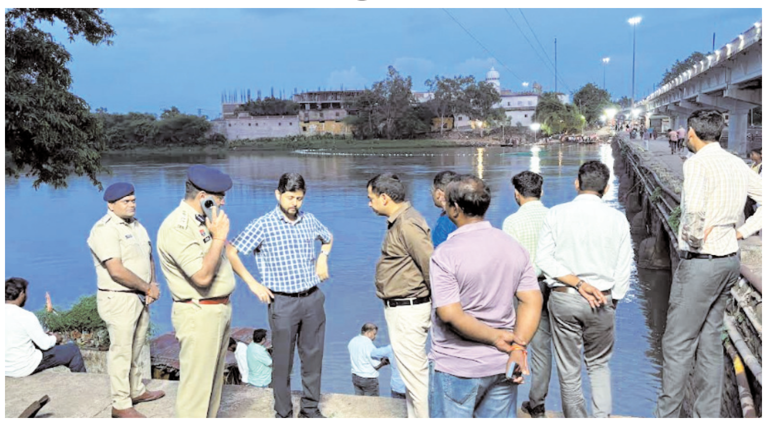

दुर्ग। दुर्ग नगर में स्थापित छोटे-बड़े सभी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन पुलगांव-अंजोरा मार्ग स्थित शिवनाथ नदी के पुल विसर्जन स्थल पर किया जाएगा। इसी क्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने अधिकारियों के साथ विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को बेहतर व्यवस्थाओं हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन नदी के छोटे पुल के मध्य क्रेन के माध्यम से किया जाएगा। वहीं छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन अंजोरा साइड पर बनाए गए विशेष विसर्जन स्थल पर होगा। इसके लिए प्रतिमाओं को बड़े पुल से होकर ले जाया जाएगा तथा पुल के अंतिम छोर पर बने मार्ग से नदी में उतारकर विसर्जन किया जाएगा। दोनों ही विसर्जन स्थलों पर क्रेन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ ही प्रकाश व्यवस्था भी की जाएगी। भीड़ प्रबंधन व यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मिनीमाता चौक से अंजोरा बायपास तक केवल विसर्जन वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। अन्य वाहन दुर्ग-अंजोरा बायपास मार्ग का उपयोग करेंगे। जनसामान्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पीडब्ल्यूडी द्वारा शिवनाथ नदी के पुराने पुल पर दोनों ओर 60 फीट की अस्थायी रेलिंग लगाई जाएगी, ताकि आने-जाने वाले लोग सुरक्षित एवं सतर्क रह सकें। निरीक्षण के दौरान एडीएम अभिषेक अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम दुर्ग सुमित अग्रवाल, एसडीएम दुर्ग हरवंश मिरी, एसडीएम भिलाई हितेश पिस्दा, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता, ईई सीएसपीडीएल रवि दानी, सीएसपी रघुनंदन राठौर सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बलरामपुर में सनसनी: वन विभाग की निगरानी में हाथी की मौत

अब कौन देगा जवाब? विभाग पर कार्रवाई की मांग

रामानुजगंज। बलरामपुर जिले में वन विभाग की निगरानी में रहे एक नर हाथी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्राम महावीरगंज में रविवार रात लगभग 9 बजे बस्ती के समीप मृत अवस्था में मिला यह हाथी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। सबसे बड़ा सवाल यही कि जब हाथी पर लगातार विभागीय निगरानी थी,तो उसकी मौत कैसे हुई? क्या यह लापरवाही का नतीजा है या कुछ और? घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। देर रात डीएफ ओ आलोक बाजपेई और एसडीएम अरविंद नेताम मौके पर पहुंचे। भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ ने सवाल उठाए कि मौत के बाद ही अफसरों की सक्रियता दिखती है,जबकि शुरुआती दौर में उचित कार्रवाई नहीं होती। वन विभाग ने मृत हाथी के चारों ओर सुरक्षा घेराव कर दिया है और कहा है कि हाथी वाड्रफनगर रजखेता से होते हुए रामानुजगंज क्षेत्र में आया था, जहाँ से उसकी निगरानी की जा रही थी। दिनभर वह बसकटिया के जंगल में देखा गया और रात 9 बजे के करीब उसकी अचानक मौत हो गई। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है,लेकिन ग्रामीणों में इस रिपोर्ट को लेकर अविश्वास है। लोगों का कहना है कि हर बार मौत के बाद जांच का आश्वासन दिया जाता है,पर लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। अफसरशाही और प्रशासन की निष्क्रियता से आम जन की जान-माल खतरे में है। यदि समय रहते निगरानी और कार्रवाई की जाती,तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता था। अब देखना यह है कि क्या विभाग पोस्टमार्टम के बाद दोषियों पर कार्रवाई करेगा या फिर एक और 'मामला बंद' कर दिया जाएगा। फिलहाल पूरा क्षेत्र इस घटना से स्तब्ध है और हर कोई जवाब चाहता है। अनंत चतुर्दशी के दिन नर हाथी का मौत होना ग्रामीण जनता इसको अशुभ मान रही है।

गृहग्राम झाड़मोखली व रंगकठेरा में प्रदेश मंत्री जितेन्द्र वर्मा का भव्य स्वागत

दुर्ग। छत्तीसगढ़ भाजपा की नवगठित कार्यकारिणी में प्रदेश मंत्री बनाए गए ऊर्जावान नेता जितेन्द्र वर्मा का उनके गृहग्राम झाड़मोखली व समीपवर्ती रंगकठेरा पहुँचने पर ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। जगह-जगह फूल वर्षा, पारंपरिक वाद्य और उत्साहपूर्ण नारों के बीच जनसैलाब उमड़ पड़ा।

छोटे से गाँव से प्रदेश की बड़ी जिम्मेदारी तक-ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से अभिनंदन कर उन्हें बधाई दी। लोगों ने कहा कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है कि एक छोटे से गाँव से निकलकर प्रदेश स्तर पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलना बेहद प्रेरणादायी है।

भावुक हुए जितेन्द्र वर्मा-अपने संबोधन में वर्मा ने कहा -यह सम्मान मेरे प्रति आपके अटूट विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। यही गाँव मेरी शक्ति और प्रेरणा है। यहीं के संस्कार और आशीर्वाद ने मुझे समाजसेवा व राजनीति की राह पर अग्रसर किया है।

भारी संख्या में जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता शामिल-स्वागत समारोह में ग्राम पंचायत झाड़मोखली सरपंच मती ममताराजू मेश्राम, नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, महामंत्री निर्मल जैन, मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू, सभापति जनपद पंचायत पाटन रवि सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, ग्रामीणजन व महिला प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संगठन को मिली नई ऊर्जा-गृहग्राम झाड़मोखली और रंगकठेरा में हुए इस ऐतिहासिक अभिनंदन समारोह ने भाजपा संगठन को नई ऊर्जा दी और क्षेत्र में जनसेवा के संकल्प को और मजबूत किया।

अस्पताल में डॉक्टर गायब,लापरवाही पर फूटा आक्रोश,प्रशासन कटघरे में

गणेश विसर्जन में 16 वर्षीय किशोर की मौत

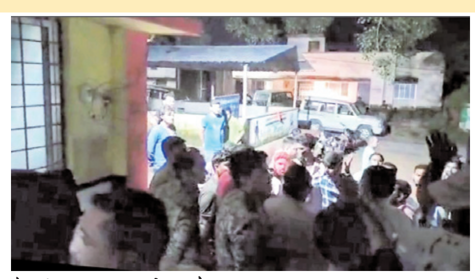

बलरामपुर। राजपुर थाना क्षेत्र में गणेश विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे नगर को स्तब्ध कर दिया। 16 वर्षीय प्रवीण गुप्ता की डीजे पर नृत्य करते समय अचानक गिरकर मौत हो गई। जबकि एक महिला घटना की जानकारी मिलते ही बेहोश हो गई और अस्पताल में भर्ती है। यह घटना न केवल एक परिवार की खुशियाँ छीन ले गई बल्कि प्रशासन की लापरवाही भी उजागर कर दी। प्रवीण गुप्ता, निवासी महुआपारा, राजपुर, विसर्जन जुलूस में डीजे पर नृत्य कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक गिर पड़ा। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही परिजनों और स्थानीय नागरिकों में आक्रोश फैल गया। अस्पताल में चिकित्सकों की अनुपस्थिति, बदसलूकी और इलाज में देरी को लेकर लोगों ने घंटों हंगामा किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम देवेंद्र प्रधान और थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ, लेकिन नगर में गहरा शोक और रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय पर इलाज उपलब्ध होता तो शायद एक जीवन बच सकता था। यह हादसा प्रशासन की संवेदनहीनता और व्यवस्था की लचर स्थिति पर सवाल खड़ा कर रहा है। लोग न्याय की माँग कर रहे हैं और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की आशा कर रहे हैं। मृतक के परिजनों की आँखों में अब भी आक्रोश और पीड़ा साफदेखी जा रही है।

अंधकार में भी जगमगाता उजाला : दृष्टिबाधित बालक अभय साकरे की गायकी से प्रभावित हुए इंद्रजीत सिंह

भिलाई। गणेश पूजा कार्यक्रम के दौरान भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट संगठन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) का मिलना एक ऐसे प्रेरणादायक बच्चे से हुआ, जिसने सबका दिल जीत लिया। इस बच्चे का नाम अभय साकरे है, जो जन्म से दृष्टिबाधित है। भले ही वह देख नहीं सकता, लेकिन उसके सपनों की ऊँचाई और गायकी की गहराई किसी को भी आश्चर्यचकित कर देती है। अभय, उमेश साकरे जी का पुत्र है और न्यू दीन दयाल कॉलोनी, खमरिया में निवास करता है। अपनी मधुर आवाज़ और आत्मविश्वास से वह हर किसी को प्रभावित कर रहा है। उसकी गायकी में आत्मा की पुकार है, और शिक्षा के प्रति उसका समर्पण उसके उज्ज्वल भविष्य की गवाही देता है। इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने अभय की प्रतिभा और लगन देखकर न सिर्फ प्रशंसा की, बल्कि उसकी पढ़ाई और संगीत के लिए यथा संभव सहयोग करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि ईश्वर उस पर अपनी असीम कृपा बनाए रखे और माँ सरस्वती की विशेष कृपा से उसका जीवन ज्ञान, संगीत और प्रकाश से भरपूर रहे। अभय साकरे आज सिर्फ एक बालक नहीं, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा है। उसकी लगन और आत्मविश्वास यह संदेश देता है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी कमी सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकती। इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने अभय को उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।और कहा कि आने वाले समय में यह बच्चा न सिर्फ भिलाई बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन करेगा।

ईद मिलादुन्नबी जुलूस के बाद मोहसिने आज़म मिशन ने दिखाई अनूठी मिसाल,युवाओं ने तत्काल किया श्रमदान, जुलूस स्थल को बनाया स्वच्छ

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्रान्तर्गत पुराना बस स्टैंड से इंदिरा मार्केट स्टेशन रोड में ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर मुस्लिम समाज द्वारा भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। आयोजन संपन्न होने के बाद आमतौर पर सड़कों पर कचरा व अव्यवस्था देखी जाती है, लेकिन इस बार दृश्य बिल्कुल अलग था। जुलूस समाप्त होते ही मोहसिने आज़म मिशन के युवाओं ने तत्काल सफाई अभियान शुरू कर दिया। जुलूस के दौरान सड़कों पर फैले प्लास्टिक, कागज, पत्तल आदि कचरे को युवाओं ने श्रमदान कर पूरी तरह साफकर दिया। उनके इस प्रयास से न केवल स्थल स्वच्छ हुआ बल्कि नागरिकों में सकारात्मक संदेश भी गया। स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों ने युवाओं के इस कार्य की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे उदाहरण बहुत कम देखने को मिलते हैं। आमतौर पर लोग कचरा फैलाते हैं, लेकिन उसे उठाने की जिम्मेदारी बहुत कम लोग लेते हैं। मोहसिने आज़म मिशन ने यह कार्य कर एक आदर्श स्थापित किया है। नगर निगम महापौर अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल, प्रभारी नीलेश अग्रवाल सहित अधिकारियों ने भी इस पहल को 'स्वच्छता के प्रति समाज को प्रेरित करने वाला कार्य' बताया। महापौर एवं आयुक्त का कहना है कि अगर हर आयोजन के बाद लोग इसी तरह जिम्मेदारी निभाएं तो शहर की सुंदरता और स्वच्छता को नया आयाम मिलेगा। मोहसिने आज़म मिशन के युवाओं ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना है कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने अपील की कि समाज का हर व्यक्ति आगे बढ़कर ऐसे प्रयासों में शामिल हो।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने नगर के विभिन्न स्कूलों के माली हालत का जायजा लिया

- आवश्यक निर्माण एवं संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने आज नगर के जेआरडी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नयापारा और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा का निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिकगण भी साथ मौजूद थे। उन्होंने विद्यालयों के शिक्षकगण एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर विद्यालयों में संसाधनों की उपलब्धता, भवन संधारण एवं शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य सशक्त और उज्जवल हो सके।उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संस्था प्रमुखों को जेआरडी विद्यालय में आडिटोरियम एवं बालक-बालिका शौचालय तथा बॉक्सिंग रिंग के शेड की मरम्मत कराने, चंद्रशेखर आजाद विद्यालय में तीन अतिरिक्त कक्ष एवं मंच पर शेड लगवाने, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघेरा में प्राथमिक शाला भवन को 6 अतिरिक्त कक्ष एवं बालक-बालिका शौचालय निर्माण कराने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर पार्षद गुलाब वर्मा, लीलाधर पाल, मनीष साहू, कुलेश्वर साहू, काशीराम कोसरे, कमल देवांगन, नरेन्द्र बंजारे, संजय अग्रवाल, ललित ढीमर, रामचन्द्र सेन, गोविंद देवांगन, मनीष कोठारी, सरस निर्मलकर, महेंद्र लोढ़ा, कमलेश फेकर, सहायक संचालक शिक्षा अमित घोष, एपीसी विवेक शर्मा, राजेश ओझा, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भिलाई ट्रांसपोर्ट संगठन की सामाजिक पहल : इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में गणेश विसर्जन के लिए 50 से अधिक गाड़ियां उपलब्ध

भिलाई। गणेशोत्सव का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर जहां विभिन्न समितियां तैयारियों में जुटी हैं, वहीं भिलाई ट्रक-ट्रेलर ट्रांसपोर्ट संगठन ने एक बड़ी जिम्मेदारी उठाई है। संगठन ने अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) के नेतृत्व में शहरवासियों के लिए 50 से अधिक गाड़ियों की व्यवस्था की है। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन में सबसे बड़ी समस्या परिवहन की होती है। बड़ी-बड़ी प्रतिमाओं को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से विसर्जन स्थल तक पहुँचाना एक चुनौती रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए संगठन की ओर से ट्रक और ट्रेलरों की सेवा उपलब्ध कराई गई है। इस पूरी व्यवस्था की कमान इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने खुद संभाली है। इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने बताया कि यह सेवा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। गाड़ियों के ड्राइवर और स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि विसर्जन यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

स्थानीय समितियों और नागरिकों ने जताया आभार-भिलाई नगर के विभिन्न पंडाल समितियों और नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इंद्रजीत सिंह (छोटू) और संगठन की इस जिम्मेदारी से विसर्जन प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है और भीड़भाड़ के बीच होने वाली अव्यवस्था से बचा जा सकेगा।

पुलिस और प्रशासन से भी तालमेल-संगठन ने विसर्जन यात्रा को व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के साथ भी समन्वय स्थापित किया है। इस प्रयास में इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने स्वयं पहल कर प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत की।

समाजसेवा में हमेशा आगे रहते हैं इंद्रजीत सिंह (छोटू)-भिलाई ट्रक-ट्रेलर ट्रांसपोर्ट संगठन पहले भी कई सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है। रक्तदान शिविर, राहत सामग्री वितरण और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में यह संगठन लगातार अपनी भूमिका निभाता आया है। इंद्रजीत सिंह (छोटू) की अगुवाई में गणेशोत्सव पर गाड़ियों की यह व्यवस्था एक बार फिर संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

त्योहार समाज को जोड़ने का माध्यम-अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने कहा कि गणेश उत्सव जैसे पर्व समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। हर नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। यह पहल समाजसेवा और श्रद्धालुओं की सुविधा दोनों को ध्यान में रखकर की गई है। भिलाईवासियों ने दी बप्पा को भावभीनी विदाई-प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान शहर में 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष गूंज उठे। संगठन द्वारा उपलब्ध कराई गई 50 से अधिक गाड़ियों ने इस विदाई यात्रा को सुरक्षित और सुगम बना दिया।

11 प्रतिष्ठनों के जब्तशुदा 3277 बोरी उर्वरकों को राजसात कर किसानों को विक्रय करने के निर्देश

उर्वरक व्यवसाय में अनियमितता बरतने वालों के खिलाफप्रशासन सख्त

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में खरीफ 2025 में जिले के कृषकों के मांग अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उच्च गुणवत्तायुक्त आदान सामग्री यथा-उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा सघन अभियान चलाते हुये जिले के निजी एवं सहकारी प्रतिष्ठानों का निरंतर सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। इसी अनक्रम में पीओएस स्कंध एवं भौतिक स्कंध में अंतर, बगैर स्त्रोत प्रमाण पत्र के उर्वरक भण्डारण/विक्रय, प्रतिष्ठान में मूल्य सूची प्रदर्शित न होना, केश मेमो जारी नहीं करना, बिल बुक निर्धारित प्रारूप में न होना, स्कंध पंजी संधारण अधूरा होने इत्यादि कारणों से 11 उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाये जाने पर स्थानीय उर्वरक निरीक्षकों द्वारा कुल 3277 बोरी (145.85 मि.टन) उर्वरकों को जब्त कर संबंधित विक्रेताओं से कारण बताओ सूचना जारी कर जवाब मांगा गया था। संबंधित उर्वरक विक्रेताओं का जवाब समाधानकारक न होने के कारण कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 का उल्लंघन पाये जाने पर धारा 7 के तहत जब्तशुदा उर्वरकों को राजसात करने हेतु आदेशित किया गया है। राजसात किये गये उर्वरकों को स्थानीय किसानों को सूचित करते हुए निर्धारित दर पर विक्रय पश्चात् राशि शासन के खजाने में जमा करने हेतु कृषि विभाग को निर्देशित किया गया है। उप संचालक कृषि से मिली जानकारी अनुसार जिले के उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठान देवांगन कृषि केन्द्र रानीतराई, वि.ख.-पाटन का यूरिया-13.27 मि.टन, टी.एस.पी.-13.80 मि.टन और 28:28:0-0.40 मि.टन, कृषि सेवा केन्द्र पाटन, वि.ख.-पाटन का डी.ए.पी.-4.40 मि.टन एवं यूरिया-28.35 मि.टन, ओम कृषि केन्द्र, अंजोरा ख, वि.ख.-दुर्ग का 20:20:0:13-2.65 टन, 24:24:0-1.20 टन, आमोनियम सल्फेट-0.55 टन, टी.एस.पी.-2.05 टन, पोटाश-1.95 टन, एस.एस.पी.-2.50 टन, यूरिया 1.44 कुल-12.34 टन, सिन्हा ट्रेडर्स, अंजोरा ख, वि.ख.-दुर्ग का यूरिया-28.53 मि.टन, पोटाश-0.65 मि.टन, एसएसपी-1.25 मि.टन कुल मात्रा 30.43 मि.टन, बुरहानी एग्रो इण्डस्ट्रीज खपरी, वि.ख.-धमधा का एन.पी.के. 6:12:36 कुल मात्रा 4 कि.ग्रा., देवांगन कृषि केन्द्र ननकट्ठी, वि.ख.-दुर्ग का टी.एस.पी.-14.80 मि.टन, चन्द्राकर ट्रेडर्स मचान्दुर, वि.ख.-दुर्ग का जिंकेटेड सिंगल सुपर फॉस्फेट 0.50 मि.टन, नम्रता कृषि केन्द्र कोनका, वि.ख.-धमधा का यूरिया 24.30 मि.टन, साहू कृषि केन्द्र मलपुरीकला, वि.ख.-धमधा का यूरिया 6.12 मि.टन, प्रयाग कृषि केन्द्र कोड़िया, वि.ख.-धमधा का यूरिया 10.44 मि.टन, महाफीड स्पेशलिटि फर्टि. (इंडिया) प्रा.लिमि. का एनपीके 21.11.21 - 1.00 मि.टन एवं एनपीके 00.09.46 - 0.50 मि.टन, कुल 3277 बोरी (145.85 मि.टन) उर्वरकों को राजसात किया गया है। कृषि विभाग के कर्मचारी अपनी उपस्थिति में नियमानुसार उर्वरकों को निर्धारित दर यूरिया-266.50 रू., डी.ए.पी.-1350 रू., पोटाश-1535 रू., 20:20:0:13-1300 रू., एस.एस.पी. पाउडर-469 रू., एस.एस.पी. दानेदार-510 रू. एवं अन्य उर्वरकों को बोरे में अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य के आधार पर विक्रय कर प्राप्त राशि शासन के कोष में जमा करेंगे। किसान भाईयों से अपील की गई है कि जिन किसानों को उपरोक्त उर्वरकों की आवश्यकता है वे अपने आधार नम्बर एवं ऋण पुस्तिका की प्रति के साथ निकटतम प्रतिष्ठान में पहुंच कर धारित कृषि रकबे के अधीन आवश्यकता अनुसार उर्वरक क्रय कर सकते है। उर्वरक की कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, अधिक दर पर विक्रय, अन्य प्रयोजन में उपयोग इत्यादि की शिकायत हेतु कृषि विभाग के स्थानीय अधिकारी अथवा जिला नियंत्रण कक्ष के मोबाईल नंबर-9907109662 पर शिकायत दर्ज कर सकते है। कृषकों को गुणवत्तायुक्त एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने हेतु कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रय प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है।

बच्चों को देते तो मोबाईल किंतु छिनते हैं बचपन-मुकेश शाह

रायपुर। अब समय आ गया है कि घरों में बच्चों द्वारा मोबाईल के बढ़ते उपयोग से घरों के अंदर इसके दुष्प्रभाव को कम करने एमएफजेड (मोबाईल फ्री ज़ोन) व एमएफटी (मोबाईल फ्री टाईम) का नियम लागू किया जाए अर्थात घर में कुछ जगह ऐसी हो जहां लोग मोबाईल का उपयोग ना करें, जैसे पूजा घर, भोजन कक्ष, बाथरूम, भोजन की मेज, अध्ययन कक्ष आदि। इसी प्रकार घरों में सभी सदस्य मोबाईल का कुछ निर्धारित समय पर उपयोग ना करें, जैसे भोजन के समय, पूजा के समय, मेहमानों के सामने तथा परिवार के सदस्यों द्वारा निर्धारित कोई समय आदि। कच्छी दशा ओसवाल जैन ज्ञाति महाजन द्वारा कुंथुनाथ मंदिर, फाफाडीह में अभिभावकों के लिए बच्चों को मोबाईल से होने वाले नुकसान व उसे कम करने के उपाय बताने एक सेमीनार आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर प्रेरक वक्ता व शिक्षाविद् मुकेश शाह ने विषय पर अनेक बातें रखीं। वक्ता मुकेश शाह ने कहा कि बच्चों को रात में अधिकतम 10 बजे तक ही मोबाईल का उपयोग करने देना चाहिए। इस समय परिवार के लोग एक साथ बैठे बच्चों की भी बातें सुनें, उनसे स्कूल की, घर की, पढ़ाई की दोस्तों की या किसी कहानी या पात्र आदि की चर्चा करें ताकि बच्चे का ध्यान मोबाईल से हटें।कोई इंडोर गेम रात में सब एक साथ बैठकर खेलें तो बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य और मजबूज होता है। बच्चों की सुनेंगे तो उनके वर्तमान को बुनेंगे अर्थात् बच्चों से जितना आप संवाद स्थापित करेंगे व जितना उसको साथ-साथ रखेंगे वह उतना की आपकी बात मानकर मोबाईल से दुरी बनाएगा।समय-समय पर बच्चों को समझाएं कि कैसे मोबाईल का बहुत अधिक उपयोग उसके भविष्य के सपने को पूरा करने में बाधक बन सकता है कैसे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर डाल सकता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com